mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-1 अंक-86 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
26 सितम्बर 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

आज माँ स्कंदमाता का दिन

स्कंदमाता की पूजा नवरात्रि की पंचमी तिथि पर की जाती है। स्कंदमाता की भक्तिभाव से पूजा-अर्चना करने व व्रत करने से जातक की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

मां स्कंदमाता का स्वरूप-मां की गोद में स्कंद देव विराजमान हैं। मां खुद कमल के आसन पर विराजमान हैं। इस कारण मां स्कंदमाता को पद्मासना देवी भी कहा जाता है। मां का वाहन सिंह है। मान्यता है कि मां भगवती के पंचम स्वरूप की उपासना करने से संतान से संबंधित परेशानियां दूर होती हैं।

दिल्ली यौन शोषण केस-

चैतन्यानंद छात्राओं को कमरे में बुलाता, विदेशी टूर का लालच दिया

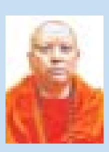

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के वसंत कुंज स्थित श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट-रिसर्च में खुद को गॉडमैन बताने वाले स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी पर कई छात्राओं के यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी छात्राओं को धमकाकर, अश्लील मैसेज भेजकर और विदेश यात्रा का लालच देकर अपने जाल में फंसाता था। उसने कई बार स्टूडेंट को देर रात कमरे में बुलाया और कम ग्रेड देने की धमकी दी।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि तीन महिला वार्डन और फैकल्टी भी आरोपी की मदद करती थीं। वे छात्राओं पर दबाव डालकर चैट्स डिलीट करवातीं और उन्हें चुप रहने के लिए कहती थीं। आरोपी अभी फरार है और उसकी आखिरी लोकेशन आगरा में मिली थी। दिल्ली पुलिस की कई टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं।

लुधियाना में लावारिस थैले से IED मिला

लुधियाना, एजेंसी। पंजाब में लुधियाना के बस्ती जोधेवाल इलाके में एक बैग की दुकान से संदिग्ध थैले में इम्प्रूवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) बरामद हुआ है। पुलिस इस थैले की बुधवार रात से जांच कर रही थी। इसके बाद गुरुवार दोपहर को इसके विस्फोटक होने की पुष्टि की।

जिस दुकान से यह थैला मिला, उसके मालिक ने बताया है कि करीब 4 दिन पहले एक संदिग्ध व्यक्ति अटैची खरीदने दुकान पर आया था। उस व्यक्ति ने दुकानदार को 500 रुपए एडवांस दिए और कहा कि वह थोड़ी देर में आकर अटैची ले जाएगा। वह अपने साथ लाया थैला दुकान में ही रख गया।

बीती रात जब उस थैले से पेट्रोल की बदबू आई तो दुकानदार ने बिल्डिंग के मालिक को सूचित किया। बिल्डिंग हरबंस टावर के मालिक रिंकू ने संदिग्ध थैला देख तुरंत थाना दरेसी की पुलिस को सूचित किया।

मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा थाने पहुंचे। उन्होंने मामले की अपडेट ली। पुलिस ने इस मामले 2 लोगों को हिरासत में लिया है।

लद्दाख हिंसा पर केंद्र बोला :

वांगचुक ने लोगों को भड़काया, कई अपील के बावजूद भूख हड़ताल जारी रखी

लेह ,एजेंसी। केंद्र सरकार ने लद्दाख में बुधवार को हिंसा के लिए सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को जिम्मेदार ठहराया। गृह मंत्रालय ने देर रात बयान में कहा, वांगचुक ने भड़काऊ बयानों से भीड़ को उकसाया, हिंसा के बीच अपना उपवास तो तोड़ा, लेकिन हालात काबू करने के प्रयास की जगह एम्बुलेंस से अपने गांव चले गए।

मंत्रालय ने कहा- कई नेताओं ने वांगचुक से हड़ताल खत्म करने की अपील की थी, लेकिन उन्होंने हड़ताल जारी रखी। उन्होंने अरब स्प्रिंग शैली और नेपाल में जेन-जी विरोध प्रदर्शनों का जिक्र करके लोगों को गुमराह किया। दरअसल,

लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर वांगचुक ने 10 सितंबर से भूख हड़ताल शुरू की थी। बुधवार को छात्रों और स्थानीय लोगों ने लेह में उनकी पिछले मांगें पूरी नहीं करने के विरोध में केंद्र के खिलाफ बंद बुलाया था। इसी दौरान हिंसा हुई। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा ऑफिस और CRPF की गाड़ी में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों में झड़प भी हुई। इसमें 4 लोगों की मौत हुई, 80 से ज्यादा लोग घायल हुए। करीब 30 सुरक्षाकर्मी भी घायल हैं। लेह में कल से कर्फ्यू लागू है।

वांगचुक की संस्था के खिलाफ CBI जांच शुरू

सोनम वांगचुक की संस्था पर विदेशी चंदा कानून (FCRA) उल्लंघन के आरोपों की सीबीआई जांच शुरू हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह जांच कुछ समय से चल रही है, लेकिन अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। वांगचुक ने बताया कि करीब 10 दिन पहले सीबीआई की एक टीम आदेश लेकर उनके पास आई थी। यह आदेश गृह मंत्रालय की शिकायत पर आधारित था, जिसमें कहा गया कि उनकी संस्था हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स लद्दाख (HIAL) ने विदेशी चंदा लेने के लिए जरूरी मंजूरी नहीं ली।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स को 97 तेजस फाइटर जेट का ऑर्डर

● केंद्र ने 62 हजार करोड़ की डील साइन की

हैदराबाद, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) को भारतीय वायुसेना के लिए 97 मार्क-1A लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (तेजस फाइटर जेट) बनाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया। केंद्र ने HAL के साथ 62,370 करोड़ की डील की है। HAL को तेजस फाइटर जेट के लिए दूसरी बार ऑर्डर मिला है। इससे पहले, केंद्र ने फरवरी 2021 में 46,898 करोड़ की डील के तहत HAL को 83 मार्क-1 का ऑर्डर दिया था। इसकी डिलीवरी के लिए कंपनी के पास 2028 तक का समय है। मार्क-vA एयरक्राफ्ट वायुसेना के मिग-21 के बेड़े को रिप्लेस करेगा। इसे पाकिस्तान बॉर्डर के पास राजस्थान के बीकानेर स्थित नाल एयरबेस पर तैनात करने की योजना है। मिग-21 26 सितंबर को रिटायर हो जाएगा। इसने 62 साल की सर्विस के दौरान 1971 युद्ध, कारगिल और कई बड़े मिशन में अहम भूमिका निभाई।

मार्क-1A में अपग्रेडेड एवियॉनिक्स और रडार सिस्टम केंद्र ने 19 अगस्त को 97 तेजस फाइटर जेट खरीदने के लिए 62 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी थी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस जेट में स्वयं रक्षा कवच और कंट्रोल एक्चुएटर होंगे, जिसमें 64% से ज्यादा स्वदेशी सामग्री और 67 नए स्वदेशी सामान होंगे।

पीएम मोदी ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का शुभारंभ किया

बोले- देश में चिप से लेकर शिप तक बनाएंगे किसी पर निर्भर रहना अब मंजूर नहीं

नोएडा, एजेंसी। पीएम मोदी ने नोएडा में इंडिया एक्सपो मार्ट में गुरुवार को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का शुभारंभ किया। उन्होंने कारोबारियों से कहा कि हम चिप से शिप तक भारत में बनाना चाहते हैं। इसलिए अपना बिजनेस मॉडल ऐसा बनाइए जो आत्मनिर्भर भारत को मजबूती देता हो।

बदलती हुई दुनिया में जो देश जितना ज्यादा दूसरों पर निर्भर रहेगा, उसकी ग्रोथ उतनी ही कॉम्प्रोमाइज रहने वाली है। इसलिए भारत को किसी पर निर्भर रहना अब मंजूर नहीं है। भारत को आत्मनिर्भर बनाना होगा। इससे पहले पीएम ने कारोबारियों से बात की। मोदी प्रोड्यूसर बोनी कपूर और उनके बेटे अर्जुन से भी मिले।

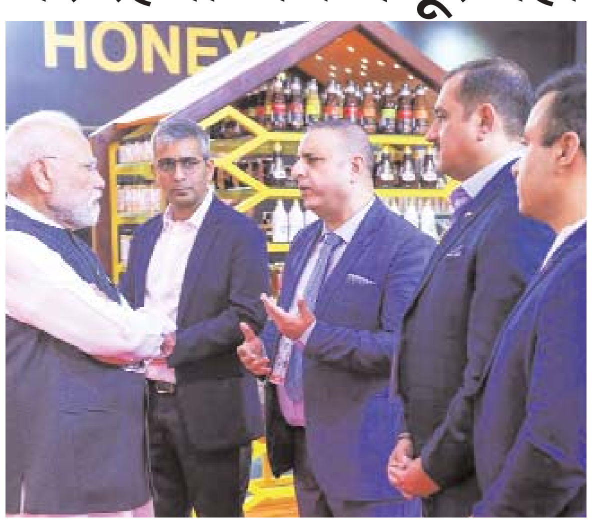

ट्रेड शो 29 सितंबर तक चलेगा। रूस पार्टनर देश के रूप में हिस्सा ले रहा है। अनुमान है कि इस बार ट्रेड शो में 5 हजार करोड़ का व्यापार होगा। शो में पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मॉडल का लाइव डेमो होगा। यूपी के 40 जिलों के उत्पाद ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित किए जा रहे हैं। यहां 2400 से ज्यादा स्टॉल लगाए गए हैं। हर दिन सुबह से रात तक सेमिनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

हमारी सरकार ने 12 लाख तक टैक्स फ्री किया : मोदी ने कहा- 2014 से पहले जब हमारी सरकार नहीं थी तो सिर्फ दो लाख रुपए तक ही इनकम टैक्स माफ था। आज हमने 12 लाख रुपए तक टैक्स फ्री किया है। नए त्रस्ज्ञ रिफार्म से इस साल देश के लोगों को ढाई लाख करोड़ रुपए बचने जा रहे हैं।

देश आज गर्व के साथ त्रस्ज्ञ बचत उत्सव मना रहा है। 2017 में हम GST लाए, आर्थिक मजबूती की। 2025 में फिर से GST लाए, फिर आर्थिक मजबूती करेंगे। जैसे-जैसे आर्थिक मजबूती होगी, टैक्स का भार कम होता जाएगा।

बिहार चुनाव से वोटों की गिनती का नया सिस्टम

जब तक सभी पोस्टल बैलट न गिने जाएं, तब तक ईवीएम के आखिरी राउंड की काउंटिंग नहीं होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने वोटों की गिनती के नियमों में बदलाव किया है। अब पोस्टल बैलट की गिनती में अगर देरी होती है तो EVM काउंटिंग रोक दी जाएगी। साथ ही बैलट ज्यादा होने पर काउंटिंग टेबल भी बढ़ाई जाएंगी। दरअसल काउंटिंग के दिन बैलट की गिनती सुबह 8:00 बजे शुरू होती है, जबकि EVM काउंटिंग 8:30 बजे की जाती है। अभी तक यह होता था कि कई सेंटर पर मशीन से काउंटिंग जल्दी पूरी हो जाती थी, जबकि बैलट में समय लगता था। अब चुनाव आयोग के नए नियम के अनुसार, बैलट की गिनती बाकी होने पर श्चङ्करू के सेकेंड लास्ट राउंड की काउंटिंग को रोक दिया जाएगा। तब तक बैलट की काउंटिंग को पूरा करना होगा। इलेक्शन कमीशन ने गुरुवार को प्रेस नोट जारी करके इसकी जानकारी दी। नए नियम की शुरुआत बिहार विधानसभा चुनाव से होगी। मान लीजिए किसी बूथ पर ईवीएम मशीनों में 10 हजार वोट डाले गए हैं। इन्हें 5 राउंड में पूरा गिना जा सकता है। लेकिन बैलट वोट 1 हजार हैं और उनकी काउंटिंग में समय लग रहा है। तो ईवीएम काउंटिंग को चौथे राउंड पर रोक दिया जाएगा। जब तक कि बैलट के वोटों की गिनती पूरी न हो जाए।

भाजपा ने धर्मेंद्र प्रधान को बिहार का चुनाव प्रभारी बनाया

भूपेंद्र यादव को बंगाल और बैजयंत पांडा को तमिलनाडु की जिम्मेदारी

पटना, एजेंसी। भाजपा ने गुरुवार को बिहार, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए हैं। बिहार के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को चुनाव प्रभारी, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को सह-प्रभारी बनाया है। वहीं, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का प्रभारी और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को सह प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा तमिलनाडु में भाजपा सांसद बैजयंत पांडा को प्रभारी और मुरलीधर मोहोल को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। बिहार में अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं, यहां फिलहाल नीतीश कुमार की JDU और भाजपा गठबंधन की सरकार है। वहीं, 2026 में मार्च से मई के बीच पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव होंगे। बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी TMC और तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) सत्ता में है।

बांसवाड़ा में मोदी बोले-

कांग्रेस राज में लूट ही लूट थी, भाजपा सरकार में बचत ही बचत; तभी देश जीएसटी बचत उत्सव मना रहा

कांग्रेस सरकारों ने बिजली के लिए कुछ नहीं किया, पहले बिजली जाना नहीं, बिजली आना न्यूज हुआ करती थी।

बांसवाड़ा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बांसवाड़ा के नापला में कहा- कांग्रेस राज में लूट ही लूट थी। भाजपा सरकार में बचत ही बचत है। तभी देश जीएसटी बचत उत्सव मना रहा है।

पीएम ने कहा- कांग्रेस के समय हालात खराब क्यों थे? कांग्रेस सरकार देश के लोगों को लूट रही थी। कांग्रेस सरकार में टैक्स और महंगाई दोनों चरम थी। 2014 के पहले की बात कर रहा हूं। आपने जब मोदी को आशीर्वाद दिया तो हमारी सरकार ने कांग्रेस की लूट को बंद किया। ये आजकल मुझ पर बहुत गुस्से में रहते हैं, इसका कारण ये ही है।

कांग्रेस सरकार 100 रुपए की खरीद पर 31 रुपए टैक्स लेती थी। 2017 में यही सामान 118 रुपए में आने लगा। अब जीएसटी में बदलाव के बाद 105 रुपए देना पड़ता है। कांग्रेस की तुलना में 26 रुपए बचत हो रही है। कांग्रेस के राज में आपको 500 रुपए का जूता 575 रुपए का आता था। कांग्रेस 500 रुपए के जूते पर 75 रुपए टैक्स वसूलती थी। नवरात्र के पहले दिन जीएसटी में बहुत बड़ा सुधार किया है। भारत जीएसटी बचत त्योहार मना रहा है। घर में माताओं-बहनों के लिए रसोई का खर्च कम हो गया है।

मोदी ने कहा- विकास की गाड़ी बिजली से दौड़ती है। बिजली है तो उजाला है, बिजली है तो दूरियां मिटती हैं, बिजली है तो दुनिया हमारे पास है। कांग्रेस सरकार ने बिजली पर ध्यान ही नहीं दिया। जब मैंने देश की बागडोर संभाली तब ढाई सौ करोड़ घरों में बिजली नहीं थी।

उन्होंने कहा- कांग्रेस सरकार में राजस्थान पेपर लीक का सेंटर बन गया था। जल जीवन मिशन को भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया था। महिलाओं पर अत्याचार चरम पर था। बलात्कारियों को संरक्षण दिया जा रहा था। बांसवाड़ा में अवैध कारोबार खूब पनपा।

पीएम ने कहा- कांग्रेस के समय हालात खराब यों थे?

पीएम ने कहा- कांग्रेस के समय हालात खराब क्यों थे? कांग्रेस सरकार देश के लोगों को लूट रही थी। कांग्रेस सरकार में टैक्स और महंगाई दोनों चरम थी। 2014 के पहले की बात कर रहा हूं। कांग्रेस सरकार 100 रुपए की खरीद पर 31 रुपए टैक्स लेती थी। 2017 में यही सामान 118 रुपए में आने लगा। अब जीएसटी में बदलाव के बाद 105 रुपए देना पड़ता है। कांग्रेस की तुलना में 26 रुपए बचत हो रही है। कांग्रेस के राज में आपको 500 रुपए का जूता 575 रुपए का आता था। कांग्रेस 500 रुपए के जूते पर 75 रुपए टैक्स वसूलती थी। नवरात्र के पहले दिन जीएसटी में बहुत बड़ा सुधार किया है। भारत जीएसटी बचत त्योहार मना रहा है। घर में माताओं-बहनों के लिए रसोई का खर्च कम हो गया है।

पीएम बोले- बिजली है तो दुनिया हमारे पास है

पीएम बोले- बिजली है तो दुनिया हमारे पास है, लेकिन हमारे देश में कांग्रेस की सरकारों ने बिजली के महत्व पर ध्यान ही नहीं दिया। 2014 में जब मुझे सेवा का मौका दिया और दायित्व संभाला, तब देश के ढाई करोड़ घर ऐसे थे, जहां बिजली का कनेक्शन नहीं ?था।

भाजपा कितना भी झूठ बोले, हम पिछड़े वर्गों को पूरा हक दिलाने के लिए संकल्पबद्ध : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चाहे कितना भी झूठ और भ्रम फैलाए, महागठबंधन अति पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े समुदायों को पूरा अधिकार दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राहुल गांधी का यह बयान तब आया है, जब एक दिन पहले बिहार में विपक्षी गठबंधन ने अति पिछड़ा न्याय संकल्प पत्र जारी किया है।

राहुल गांधी ने बुधवार को बिहार के प्रभावशाली अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) से वादा किया कि अगर इंडिया ब्लॉक सत्ता में आता है, तो अनुसूचित जाति/जनजाति अधिनियम की तर्ज पर एक नया कानून बनाकर अत्याचारों से सुरक्षा दी जाएगी। यह ईबीसी आउटरीच पहल ऐसे समय में शुरू की गई है, जब कुछ ही दिनों में बिहार विधानसभा चुनाव का एलान हो सकता है। पटना में अति पिछड़ा न्याय संकल्प नाम से कार्यक्रम हुआ था। जिसमें कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव सहित विपक्षी गठबंधन के अन्य नेता भी शामिल हुए। बुधवार को अपने संक्षिप्त भाषण में राहुल गांधी ने दस प्रमुख संकल्प भी पढ़े, जो खासकर ईबीसी वर्ग और आमतौर पर एससी, एसटी, ओबीसी जैसे वंचित समुदायों के कल्याण से जुड़े हैं। नीतीश कुमार सरकार में कुछ साल पहले कराए गए सर्वे के मुताबिक, बिहार की कुल आबादी में ईबीसी की हिस्सेदारी 36 फीसदी है।

राहुल गांधी ने या कहा?

कांग्रेस नेता एक्स पर लिखा, भाजपा चाहे जितने भी झूठ बोले और ध्यान भटकाने की साजिश करे, हम अति पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े समाज को उनका पूरा हक दिलाने के लिए संकल्पित हैं। बिहार में अति पिछड़ा समाज को मजबूत बनाने और उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए हमने अति पिछड़ा न्याय संकल्प पत्र में ठोस वादे किए हैं। शिक्षा इन समुदायों की प्रगति का सबसे बड़ा साधन है, इसलिए इस क्षेत्र में उनकी पहुंच बढ़ाने के लिए विशेष संकल्प हैं। उन्होंने आगे लिखा, अब निजी कॉलेज और विश्वविद्यालयों में भी आरक्षण लागू होगा, निजी स्कूलों की आरक्षित आधी सीटें एससी/एसटी/ओबीसी/ईबीस ी बच्चों को मिलेंगी और नियुक्तियों में उपयुक्त नहीं पाया गया जैसी अन्यायपूर्ण व्यवस्था खत्म होगी। यह केवल शिक्षा नहीं, बल्कि अति पिछड़ों की बराबरी और सम्मान की लड़ाई है। यही है सच्चा सामाजिक न्याय और समान विकास की गारंटी।

सोनिया बोलीं- फिलिस्तीन मुद्दा हल करने भारत आगे बढ़े, विदेश नीति मोदी-नेतन्याहू की दोस्ती से तय न करें

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध को लेकर मोदी सरकार की विदेश नीति की आलोचना की। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन मुद्दे को हल करने के लिए भारत को नेतृत्व करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष पर भारत का रुख बहुत निराशाजनक रहा है। सरकार की गहरी चुप्पी मानवता और नैतिकता के साथ विश्वासघात है। यह भारत की पुरानी विदेश नीति से भी अलग है। गांधी ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर भारत का रुख पीएम नरेंद्र मोदी और इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की निजी दोस्ती से प्रभावित दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि विदेश नीति व्यक्तिगत रिश्तों से तय नहीं होनी चाहिए। गांधी ने बताया कि फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा, पुर्तगाल और ऑस्ट्रेलिया समेत दुनिया के 193 में से 150 से ज्यादा देश फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में मान्यता दे रहे हैं। यह कदम उन फिलिस्तीनी लोगों की सपनों और उम्मीदों को मान्यता देने की ऐतिहासिक शुरुआत है, जो लंबे समय से पीड़ा झेल रहे हैं।

समीर मोदी को दिल्ली कोर्ट से बड़ी राहत दुष्कर्म मामले में दी जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। दुष्कर्म मामले में समीर मोदी को दिल्ली की कोर्ट ने बड़ी राहत मिली है। साकेत कोर्ट से समीर मोदी को जमानत मिल गई है। कोर्ट ने पांच लाख रुपए के मुचलके पर जमानत दी है। समीर मोदी को बीते दिनों दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद समीर मोदी ने जमानत याचिका दायर की थी। एडवोकेट धीर सिंह कसाना ने बताया, वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश गुप्ता और पुनीत मित्तल द्वारा तीन दिनों तक चली लंबी बहस के बाद, अदालत ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया और उसके बाद सुबह-सुबह 5 लाख रुपये का जमानत बांड मंजूर कर लिया। विस्तृत आदेश शाम तक आने की उम्मीद है। हमारे हिसाब से यह एक झूठा मामला है।

दक्षिणी दिल्ली में पकड़े गए 25 अवैध बांग्लादेशी प्रवासी, पुलिस का अभियान जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कुछ दिन पहले भी पकड़े गए थे दो बांग्लादेशी

कुछ दिन पहले भी दक्षिण पश्चिम जिले के ऑपरेशन सेल ने दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा था। आरोपियों की पहचान शिशिर ह्यूबर्ट रोजारियो और तौहीदुर रहमान के रूप में हुई है। दोनों 2014 से अवैध रूप से रह रहे थे।

जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि पुलिस टीम को महिपालपुर में कुछ अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के रहने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने दो संदिग्धों को हिरासत में लिया। उनसे पहचान संबंधी दस्तावेज़ मांगे और गहन पूछताछ की। दोनों नागरिक कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर पाए।

पूछताछ में उन्होंने बताया कि वह बांग्लादेशी नागरिक हैं। 11 साल पहले भारत में प्रवेश किया था। उनका वीजा समाप्त हो गया था, उसके बाद दोनों अवैध रूप से दिल्ली में रह रहे थे। वह अलग अलग जगहों पर नौकरी कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय में पेश करने के बाद हिरासत केंद्र भेज दिया है। पुलिस इनके निर्वासन की प्रक्रिया कर रही है।

भैरो मार्ग पर हथियारबंद बदमाशों ने लूटे एक करोड़ के गहने, शिकायत के बाद पुलिस ने शुरू की छानबीन

दिल्ली, एजेंसी। प्रगति मैदान के सामने भैरो मार्ग पर बुधवार शाम करीब पांच बजे हथियारबंद बदमाश कारोबारी व उनके कर्मचारी से एक करोड़ के सोने व चांदी के गहने लूटकर फरार हो गए। बाइक सवार दो बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। नई दिल्ली जिला पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत पर तिलक मार्ग थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस मथुरा रोड, भैरो मार्ग, रिंग रोड व प्रगति मैदान पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

नई दिल्ली जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गहनों का कारोबार करने वाले संजय अपने कर्मचारी शिवम के साथ गहनों को दक्षिण दिल्ली स्थित घर ले जा रहे थे। उनका चांदनी चौक पर व्यवसाय है। बुधवार शाम जब वह भैरो मार्ग पर पहुंचे तो मोटरसाइकिल पर आए दो बदमाशों ने पिस्तौल दिखाकर उन्हें रोक लिया। इसके बाद बदमाश गहनों से भरा बैग लेकर फरार हो गए। कारोबारी ने पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर इसकी शिकायत की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मौके पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों से पूछताछ की जा रही है। गौरतलब है कि एक वर्ष पहले प्रगति मैदान टनल में भी चांदनी चौक के व्यवसायी के साथ लूटपाट हुई थी। पुलिस उपायुक्त नई दिल्ली देवेश कुमार महला ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद तिलक मार्ग थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बाहर से घर, अंदर बन रहा था मौत का सामान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कारतूस व हथियार बनाने वाली फैक्टरी का खुलासा कर फाजिल (50), जमीर (57) और इलियास (65) को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से दो अर्ध-स्वचालित पिस्तौल, पांच सिंगल-शॉट पिस्तौल और .315 बोर के 210 कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा एक लेथ मशीन, कारतूस बनाने के अन्य उपकरण, 354 गोलियों के लीड, 350 खोल, बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। बरामद कच्चे माल से लगभग 1000 कारतूस बनाए जा सकते हैं। कारतूस व हथियार बनाने वाली अवैध फैक्टरी उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में चल रही थी।

स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त अमित कौशिक ने बताया कि सेल की पूर्वी रेंज में तैनात एसीपी कैलाश बिष्ट की टीम को 22 सितंबर को एक हथियार तस्कर के बारे में सूचना मिली थी। पता चला कि फाजिल नामक तस्कर हथियारों की खेप देने दिल्ली के गाजीपुर फ्लाईओवर के पास आएगा। पुलिस ने घेराबंदी कर फाजिल को पकड़ लिया। उसके पास से चार सिंगल-शॉट पिस्तौल और .315 बोर के 166 कारतूस मिले।

फ़ाजिल से पूछताछत के बाद पुलिस ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के रामपुर में छापा मारकर जमीर को गिरफ्तार किया। उसके पास से .315 बोर के 20 कारतूस बरामद किए गए। जमीर ने बताया कि उसने ये कारतूस मुरादाबाद के इलियास से खरीदे थे। पुलिस टीम ने बुधवार को मुरादाबाद शहर में घेराबंदी कर इलियास से दो अर्ध-स्वचालित पिस्तौल और एक सिंगल-शॉट पिस्तौल बरामद की। इलियास ने अपने घर के पास एक घर में कारतूस व अवैध हथियार बनाने की निर्माण फैक्ट्री चला रहा था। मुरादाबाद की स्थानीय पुलिस की मदद से दिल्ली पुलिस ने फैक्टरी में छापेमारी की और एक लेथ मशीन, ग्राइंडिंग मशीन, कारतूस बनाने के उपकरण, कारतूस, खोल, गोलियों के लीड, बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। अन्य सहयोगियों की पहचान करने और अवैध हथियारों व गोला-बारूद की तस्करी में शामिल बड़े नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए आगे की जांच जारी है।

गिरफ्तार आरोपी–फाजिल मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश निवासी आरोपी फाजिल पुत्र सिराज अनपढ़ है और अपने गांव में थोड़ी सी ज़मीन पर खेती करता है। लगभग 5-6 साल पहले वह अपने रिश्तेदारों के माध्यम से रामपुर, उत्तर प्रदेश के जमीर के संपर्क में आया। इसके बाद, उसने जमीर से अवैध हथियार खरीद कर दिल्ली में सप्लाई करना शुरू कर दिया।

जमीरः रामपुर, उत्तर प्रदेश निवासी आरोपी जमीर पुत्र अहमद नूर ने पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई की है। परिवार का पालन-पोषण करने के लिए छोटी-मोटी नौकरी करने लगा। 5-6 साल पहले, वह मुरादाबाद के इलियास के संपर्क में आया। तब से, जमीर ने इलियास से अवैध हथियार खरीद कर आगे सप्लाई करना शुरू कर दिया था।

इलियासः मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश निवासी बुजुर्ग आरोपी इलियास ने पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई की है। अपने पिता के साथ पीतल के काम में लग गया। छोटी उम्र में ही उसने स्थानीय कारीगरों से गोला-बारूद बनाने की तकनीक सीख ली थी। लगभग 20 साल पहले वह गोला-बारूद बनाने के अवैध धंधे में शामिल हो गया था। उसे पहली बार उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के मुगलपुरा थाना में आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था।

अब सांस बताएंगी शुगर का स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी। डायबिटीज मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। अब वह बिना सुई चुभोए अपनी सांस से जान सकेंगे उनके शरीर में शुगर का स्तर क्या है। इसके लिए जो डिवाइस तैयार की गई है उसकी जांच की सटीकता 86 फीसदी है। इस संबंध में आईआईटी दिल्ली के टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब आईएचएफसी की ओर से आयोजित प्रदर्शनी में अलग-अलग स्टार्टअप कंपनी ने हिस्सा लिया। जिसमें उन्होंने खुद से तैयार उपकरणों(डिवाइस) प्रदर्शित किए। सांस से ब्लड शुगर जांच का डिवाइस तैयार करने वाले अच्युत अग्रवाल ने बताया कि सांसों का विश्लेषण करके शुगर के स्तर का आंकलन कर सकते है। ऐसे तत्व हमारी सांस में मौजूद होते है। इसमें अत्याधुनिक सेंसर लगे है जो सांसों में मौजूद एसीटोन, सीओ2 जैसे वोलाटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड को पहचानते है। फिर एल्गोरिद्म की मदद से शुगर का आंकलन किया जाता है। एम्स पटना में 1800 मरीजों पर इसका ट्रायल किया जा चुका है। शुगर जांच के परिणाम में 86 फीसदी सटीकता देखने को मिली।

टोल माफी पर केंद्र सरकार और गांव वाले आमने-सामने, टकराव के बीच मुलाकात बेनतीजा; आंदोलन तेज करने का एलान

दिल्ली, एजेंसी। यूईआर-2 स्थित बक्करवाला-मुंडका में टोल टैक्स माफी को लेकर केंद्र सरकार और ग्रामीणों के बीच टकराव बढ़ गया है। इस संबंध में अलग-अलग आंदोलन कर रहे ग्रामीणों के दो खेमों ने बुधवार को केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग प्राधिकरण राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा से इलाके के सांसदों व विधायकों और भाजपा नेताओं के साथ अलग-अलग मुलाकात की। उनके बीच हुई बातचीत बेनतीजा रही। मंत्री ने साफ कर दिया कि किसी भी गांव को टोल से छूट नहीं दी जाएगी, जबकि ग्रामीणों ने कहा कि वह टोल नहीं देंगे। उनसे मिलने के बाद दोनों खेमों ने आंदोलन तेज करने का ऐलान किया। इस तरह केंद्र सरकार व ग्रामीणों के बीच यह विवाद सीधी टक्कर की ओर बढ़ता दिख रहा है। यूईआर-2 स्थित बक्करवाला-मुंडका में टोल प्लाजा बनाने के विरोध में ग्रामीणों के दो खेमे कई बार पंचायत कर चुके हैं। इस कड़ी में 21 सितंबर को बक्करवाला गांव में हुई महापंचायत के दौरान भाजपा के दो विधायकों ने केंद्र सरकार से बात कराने की बात करते हुए ग्रामीणों से आंदोलन स्थगित करने का आग्रह किया और ग्रामीणों ने उनकी बात मान ली। इस कड़ी में ग्रामीणों के दोनों खेमों की सांसद कमलजीत सहरावत व योगेंद्र चांदोलिया व कई विधायकों व भाजपा नेताओं ने हर्ष मल्होत्रा से अलग-अलग मुलाकात कराई। चौ. सुरेंद्र सोलंकी व चौ. रामकुमार सोलंकी की अगुवाई में ग्रामीणों ने मांग रखी कि जिनकी जमीनें इस परियोजना में गई हैं, उन्हें टोल से मुक्त किया जाए। संभव हो सके तो दिल्ली के सभी ग्रामीणों को छूट दी जाए, लेकिन मंत्री ने दो टूक कह दिया कि देश में कहीं भी ग्रामीणों को टोल में छूट नहीं मिलती, दिल्ली अपवाद नहीं हो सकती।

ग्रामीणों में बढ़ी नाराजगीः सरकार के इस रुख से ग्रामीण भड़क उठे। सुरेंद्र सोलंकी ने कहा कि यह अन्यायपूर्ण है और सरकार गांव वालों की पीड़ा को समझने के बजाय नियमों की आड़ में टाल रही है। वहीं, रामकुमार सोलंकी ने सुझाव दिया कि जैसे राष्ट्रीय राजमार्गों पर सर्विस रोड बनाई जाती है, वैसे ही यूईआर-2 के साथ भी सर्विस रोड बनाई जाए। इस पर मंत्री ने आश्वासन तो दिया कि वह इस पर सरकार से चर्चा करेंगे, लेकिन तब तक टोल माफी देने से इनकार कर दिया। उन्होंने यूटर्न की भी बात नहीं मानी।

आंदोलन और तेज करने का ऐलानः दोनों खेमों ने बातचीत नाकाम रहने के बाद ऐलान किया कि अब आंदोलन और तेज किया जाएगा। इस बारे में वह जल्द ही अपनी रणनीति का ऐलान करेंगे और जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक हम टोल टैक्स के खिलाफ आंदोलन जारी रखेंगे। सरकार अगर हमें मजबूर करेगी तो टकराव और गहरा होगा। इस तरह सरकार और ग्रामीणों के बीच यह तनातनी अब बड़े टकराव में बदल सकती है।

गांवों के निजी वाहनों को दी जाए टोल फ्री सुविधाः बिधूड़ी भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर दिल्ली देहात का ज्ञापन सौंपा। उन्होंने गडकरी से आग्रह किया कि विश्वस्तरीय हाईवे यूईआर-2 के निर्माण में जिन गांवों की जमीन अधिग्रहित की गई थी, उनके निजी वाहनों को टोल फ्री की सुविधा दी जाए। उन्होंने ज्ञापन में कहा कि यूईआर-2 के निर्माण के लिए 2002 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने दिल्ली के किसानों की जमीन कोड़ियों के दाम अधिग्रहित की थी और इसके लिए मात्र 13.60 लाख रुपये एकड़ का मुआवजा दिया गया, जोकि बहुत कम था। अलीपुर से महिपालपुर तक गांव इससे प्रभावित हुए। बिधूड़ी ने मंत्री से आग्रह किया कि इन सभी गांवों के केवल निजी वाहनों के लिए टोल फ्री सुविधा प्रदान की जाए।

कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेरा, सड़कों पर लड़ने की चेतावनी दीः यूईआर-2 पर टोल टैक्स के विरोध में आंदोलन कर रहे ग्रामीणों व केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग प्राधिकरण राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा के साथ बातचीत विफल होने पर कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि भाजपा सिर्फ वोट लेने की राजनीति करती है और जनता की समस्याओं को हल करने की कोई नीयत नहीं रखती। उन्होंने याद दिलाया कि पहले पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के समय एनएचआईए मंत्री कमलनाथ ने कापसहेड़ा और गुरूग्राम बॉर्डर से टोल हटवाया था।

एक विद्यालय ऐसा भी जहां हर बच्चा है राम, 27 वर्षों से बच्चे निभा रहे राम, सीता और लक्ष्मण के किरदार

नई दिल्ली, एजेंसी। जहां एक ओर युवाओं में धार्मिक मान्यताएं धीरे-धीरे मिथक बनकर सिमट रही हैं, वहीं पूर्वी दिल्ली का एक निजी स्कूल इन परंपराओं को नई पीढ़ी में जिंदा रखने की मिसाल बन गया है। यहां सुबह बच्चों की कक्षाओं में गणित और विज्ञान गूंजता है तो शाम ढलते ही वही बच्चे राम, सीता और लक्ष्मण बनकर मंच पर उतर आते हैं। 27 वर्षों से जारी इस अनोखी परंपरा में इस बार 415 बच्चे अलग-अलग किरदार निभाते नजर आएंगे। खास बात यह है कि रोजाना 1008 परिवार रामायण का पाठ कर इन लीलाओं को और भी भव्य बना देते हैं। स्कूल के निदेशक योगेश बताते हैं कि मौजूदा दौर में जहां बच्चे हॉलीवुड के सुपरहीरोज को अपना प्रेरणास्रोत मानते हैं। वहीं, दूसरी तरफ यह बच्चे रामलीला के पात्रों को असल जिंदगी में जी रहे है। ये छात्र रामायण के किरदारों को इस तरह निभाते हैं, कि वह कुछ समय के लिए खुद को ही भूल जाते हैं। वहीं, इस रामलीला का मंचन देखने और इनके संवादों को सुनने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से विद्यालय में पहुंचते हैं। इन नन्हें किरदारों को देखकर लगता है कि श्रीराम, लक्ष्मण अपने बचपन के स्वरूप में ही रामलीला में उपस्थित हुए हैं।

उन्होंने बताया कि इन नन्हें कलाकारों की रामलीला बहुत मन मोहने वाली है। यह बच्चे रामलीला के दौरान स्कूल में ही रहते हैं। यहां तक की शाकाहारी भोजन का सेवन करते हैं। खास बात यह है कि इनकी दिनचर्या सुबह से ही शुरू हो जाती है। वहीं, यह बच्चे मंचन के दौरान मोबाइल फोन से दूरी बनाकर रखते हैं।

नर्सरी के बच्चे बताते है लीला का महत्व...

प्री-नर्सरी से लेकर नौवीं कक्षा के बच्चे अलग किरदार में नजर आते हैं। रामलीला की शुरूआत शाम 6 बजे से होती है। मंच पर अलग-अलग लीलाओं का मंचन किया जाता है। मंचन के दौरान जो भी दृश्य दिखाए जाते हैं, उसके बाद पहली और दूसरी क्लास पढ़ने वाले बच्चे संदेश देते हैं। उदाहरण के तौर पर यदि मंच पर भगवान राम सबरी के झूठे बेर खाते हैं तो बच्चा बताता है कि भगवान राम छुआछूत, जात-पात को नहीं मानते थे। इसलिए उन्होंने सबरी के झूठे बेर खाए। हम सबको भी अपने जीवन में इसे अपनाना चाहिए। साथ ही रामलीला प्रांगण में हर सुबह छह बजे से 8.30 बजे तक 1008 परिवार एक साथ बैठकर रामचरित मानस का पाठ करते हैं।

छात्रों को मुफ्त एआई संसाधन, पासआउट विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन प्रोविजनल सर्टिफिकेट की भी सुविधा शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI) ने छात्रों और पासआउट्स के लिए दो बड़ी डिजिटल पहल की शुरुआत की है। अब विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), क्लाउड कंप्यूटिंग और अन्य नई तकनीकों में मुफ्त ऑनलाइन संसाधन उपलब्ध होंगे। साथ ही, पासआउट छात्रों के लिए प्रोविजनल सर्टिफिकेट अब पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से जारी किए जाएंगे।

छात्रों को मिलेंगे मुफ्त ‹ढ्ढ संसाधनः जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल ने ओरेकल अकादमी के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदारी की है। इसके तहत छात्रों और शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग और अन्य उभरती तकनीकों में मुफ्त ऑनलाइन संसाधन उपलब्ध होंगे। इसका उद्देश्य छात्रों को तकनीकी क्षेत्र में नवीनतम कौशल प्रदान करना और उनके कॅरिअर को नई दिशा देना है।

साझेदारी के तहत, ओरेकल के तकनीकी स्टाफ के प्रमुख सदस्य हबीबुर रहमान ने यूनिवर्सिटी प्लेसमेंट सेल के सेमिनार कक्ष में रेसिलिएंट नेवर-डाउन एप्लिकेशन के लिए ओरेकल 23एआई वितरित डेटाबेस पर एक व्यावहारिक व्याख्यान प्रस्तुत किया। रहमान ने ओरेकल 23 एआई डेटाबेस की विशेषताओं, एआई और डेटाबेस तकनीकों के नवीनतम रुझानों, और बीटेक व एमटेक छात्रों के लिए ओरेकल अकादमी के संसाधनों के लाभों पर विस्तार से चर्चा की।

प्रोविजनल सर्टिफिकेट अब ऑनलाइनः जामिया प्रशासन ने घोषणा की है कि अब पासआउट छात्रों को प्रोविजनल सर्टिफिकेट केवल विश्वविद्यालय के स्टूडेंट पोर्टल jmicoe.in से ही जारी किया जाएगा। यह सुविधा आज यानी 25 सितंबर 2025 से लागू होगी।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. पवन कुमार शर्मा ने बताया कि इस सुविधा का उद्देश्य छात्रों का समय बचाना, पारदर्शिता लाना और पूरी प्रक्रिया को छात्र-केंद्रित बनाना है। अब छात्रों को ऑफिस चक्कर लगाने या लंबा इंतजार करने की जरूरत नहीं होगी।

ऑनलाइन सुविधा की प्रमुख बातेंः

अस्थायी (प्रोविजनल) प्रमाण पत्र केवल स्टूडेंट पोर्टल के माध्यम से ही जारी किए जाएंगे। छात्र jmi-coe.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं।

ताइवान, फिलीपींस के बाद सुपर टाइफून रागासा ने हांगकांग और दक्षिणी चीन में तबाही मचाई

बीजिंग (चीन), एजेंसी। एशिया में बीते कई वर्षों में आए सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक सुपर टाइफून रागासा के प्रभाव से बुधवार को हांगकांग के सैरगाहों पर लैंपपोस्ट से भी ऊंची लहरें उठीं। ताइवान और फिलीपींस में तबाही मचाने के बाद रागासा ने दक्षिणी चीनी तट पर समुद्र को अशांत कर दिया। ताइवान में 17 और उत्तरी फिलीपींस में 10 लोगों की मौत की सूचना है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ और चाइना डेली अखबार के अनुसार, दक्षिणी चीन के आर्थिक केंद्र ग्वांगडोंग प्रांत में 20 लाख से अधिक लोगों को स्थानांतरित किया गया। चुआनदाओ शहर के एक मौसम केंद्र ने दोपहर में 241 किलोमीटर प्रति घंटे (लगभग 150 मील प्रति घंटे) की अधिकतम गति से हवा के झोंके दर्ज किए। जियांगमेन शहर में तेज हवाएं चलीं। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने कहा कि तूफान ने यांगजियांग शहर के हेलिंग द्वीप के तट पर शाम लगभग पांच बजे दस्तक दी। तेज हवाओं ने पेड़ों और इमारतों को तहस-नहस कर दिया। मूसलाधार बारिश से दृश्यता कम हो गई।

तूफान के पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना से गुरुवार को गुनाग्शी क्षेत्र में कुछ रेल सेवाओं को स्थगित करना पड़ा। लगभग एक दर्जन शहरों में स्कूल, कारखाने और परिवहन सेवाएं स्थगित कर दी गईं। रागासा की तेज हवाओं ने हांगकांग के निवासियों को तड़के ही जगा दिया। तेज़ हवाओं ने एक पैदल यात्री पुल की छत के कुछ हिस्से उड़ा दिए।सैकड़ों पेड़ धराशायी हो गए। एक जहाज तट से टकरा गया। 90 घायल लोगों का अस्पतालों में इलाज किया गया।

हांगकांग और मकाओ में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं। लोगों ने अस्थायी केंद्रों में शरण ली। हांगकांग की वेधशाला ने कहा कि कुछ समय तक तो 185 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे अधिक तेज गति की हवा चली। हवा की यह गति 1950 के बाद पहली बार देखी गई। यह दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में दूसरा सबसे शक्तिशाली चक्रवात है।

ताइवान में भारी बारिश के कारण मंगलवार को गुआंगफू कस्बे की सड़कें उफनती नदियों में बदल गईं। हुआलिएन काउंटी में एक झील के उफान पर आने से 17 लोगों की मौत हो गई। गुआंगफू में लगभग 8,450 लोग रहते हैं। उत्तरी फ़िलीपींस में कम से कम 10 लोगों की मौत की सूचना है, जिनमें सात मछुआरे भी शामिल हैं। ताइवान में लगभग सात लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

जेआईसीए जापान-अफ्रीका होमटाउन परियोजना को रद्द करेगा

टोक्यो (जापान), एजेंसी। जापान-अफ्रीका होमटाउन परियोजना के देशव्यापी विरोध के बीच जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) ने इसे रद्द करने का फैसला किया है। इसकी औपचारिक घोषणा आज होने की उम्मीद है। इस परियोजना की घोषणा अगस्त में की गई थी। विदेश मंत्रालय से जुड़ी इस परियोजना का उद्देश्य चार जापानी शहरों और अफ्रीकी देशों के बीच आवासीय आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था।

जापान के अखबार द असाही शिंबुन की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों का कहना है कि इस परियोजना को गलती से अफ्रीका से आप्रवासन को बढ़ावा देने की नीति मान लिया गया। इसके कारण जापान में तीखी प्रतिक्रिया हुई और इसे रद्द करने की मांग की गई। विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, परियोजना अच्छी है। हालांकि हम इसे वापस ले रहे हैं, फिर भी हम अंतरराष्ट्रीय आदान-प्रदान को और अधिक सक्रियता से बढ़ावा देते रहेंगे। इस परियोजना के तहत नाइजीरिया के साथ चिबा प्रांत में किसाराजू, तंजानिया के साथ यामागाटा प्रांत में नागाई, घाना के साथ निगाटा प्रांत में संजो और मोज़ाम्बिक के साथ एहिमे प्रांत में इमाबारी में काम होना था। परियोजना को लेकर हंगामा तब और बढ़ गया जब नाइजीरियाई राष्ट्रपति कार्यालय ने एक गलत बयान जारी कर दावा किया कि जापान सरकार ने किसाराजू को यहां रहने और काम करने के इच्छुक नाइजीरियाई लोगों का गृहनगर बताया है और जापान एक विशेष वीजा श्रेणी बनाएगा।

जापान की नगरपालिकाओं में इस परियोजना के विरोध के फोन कॉल और ई-मेल की बाढ़ आ गई।

अगले महीने भारत आ सकती हैं कनाडा की विदेश मंत्री, निज्जर विवाद के बाद होगा पहला हाई प्रोफाइल-दौरा

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद अगले महीने भारत का दौरा करेगी, जहां वह अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर से मुलाकात करेंगी। 2023 में दोनों देशों के संबंधों में खटास आई थी। जिसके बाद से कनाडा के किसी विदेश मंत्री का यह पहला आधिकारिक दौरा होगा। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

2023 में कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत सरकार पर आरोप लगाया था कि वह खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या करने की साजिश में शामिल है। इसके बाद द्विपक्षीय संबंधों में भारी गिरावट देखने को मिली। सूत्रों के मुताबिक, दौरे की तारीख अभी तय नहीं हुई है। लेकिन दोनों देशों के अधिकारी आपस में संपर्क में हैं और तारीख पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की कनाडाई समकक्ष से मुलाकातः इस साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी की मुलाकात हुई थी। इसके बाद से दोनों देशों के संबंध लगातार सुधर रहे हैं। इस मुलाकात के बाद से भारत और कनाडा ने संबंधों को सामान्य करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। बुधवार को भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने ओटावा में रिड्यू हॉल में औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभाला। इससे पहले कनाडा के कई शीर्ष अधिकारियों ने भी भारत का दौरा किया है।

राजनयिक कर्मचारियों की बहाली की तैयारीः पिछले हफ्ते भारत ने संकेत दिया कि वह कनाडा में अपने सभी राजनयिकों की बहाली पर विचार कर सकता है। दो साल पहले भारत ने कनाडा के दो-तिहाई राजनयिकों की कूटनीतिक सुरक्षा को हटा दिया था। जिसके बाद अक्तूबर 2023 में 41 कनाडाई अधिकारियों को भारत छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा था। पिछले शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि दोनों देश अपने-अपने मिशनों और वाणिज्य दूतावासों में क्षमता से जुड़ी समस्याओं को रचनात्मक तरीके से हल करने पर सहमत हुए हैं। भारत और कनाडा के संबंध उस वक्त सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे, जब 2023 में तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो ने निज्जर की हत्या के मामले में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाया था। इस आरोप के बाद भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था। जवाब में भारत ने भी कनाडा के कई राजनयिकों को देश से निकाल दिया था।

नेतन्याहू बोले – हमास को हराने और बंधकों को छुड़ाने के लिए सैन्य एवं राजनयिक प्रयास जारी

यरूशलेम, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि गाजा में बंधक बनाए गए नागरिकों की रिहाई और हमास को परास्त करने के लिए लगातार सैन्य और कूटनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि नेतन्याहू ने यह भरोसा बंधक अलोन ओहेल के परिवार को दिया है, जो अब भी गाजा में कैद हैं। अलोन के पिता कोबी ओहेल ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री अमेरिका की यात्रा से लौटते समय ऐसा समाचार लेकर आएंगे जिसका इंतजार पूरे इजराइल को है। उन्होंने कहा, यह यात्रा एक ऐसा क्षण है जब सभी मंत्रियों को प्रधानमंत्री को समर्थन और ताकत देनी चाहिए ताकि वे अलोन और अन्य सभी बंधकों की रिहाई के लिए निर्णायक कदम उठा सकें। नेतन्याहू इस समय अमेरिका दौरे पर हैं, जहां शुक्रवार को वे संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान उनकी मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी तय है, जिसमें बंधकों की रिहाई पर विशेष चर्चा होगी। बंधक परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले होस्टेज फैमिलीज फोरम ने भी उम्मीद जताई है कि इस दौरे से बंधक संकट के समाधान की दिशा में ठोस पहल होगी।

सीएम सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम नवीन सत्र का शुभारंभ

पं. दीनदयाल उपाध्याय ने दी देश को एकात्म मानववाद की विचारधारा : सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित सीएम सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम(सीएमसीएलडीपी) के नवीन सत्र का शुभारंभ प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी महाविद्यालय सीधी में किया गया।

इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा मुख्य अतिथि, महाविद्यालय प्राचार्य पी.के. सिंह अध्यक्ष, वरिष्ठ समाजसेवी लक्ष्मण सिंह एवं शासी निकाय सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जन अभियान परिषद जिला समन्वयक शिवदत्त उर्मलिया ने किया। कार्यक्रम में पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर व्याख्यानमाला भी आयोजित की गई।

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि पं. उपाध्याय का पूरा जीवन राष्ट्र और समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने राजनीति को सेवा का माध्यम माना और 'एकात्म मानववाद' की विचारधारा के माध्यम से भारतीय समाज को नई दिशा दी। उनका मानना था कि विकास तभी सार्थक है जब समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक उसकी किरण पहुँचे।

डॉ. मिश्रा ने आगे कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी पं. उपाध्याय की उस सोच को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसमें सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास निहित है। एकात्म मानववाद केवल राजनीतिक दर्शन नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक न्याय का मार्गदर्शन भी है।

उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि हम राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं तो हमें पं. उपाध्याय के आदर्शों को जीवन में उतारना होगा। स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग, सामाजिक समरसता और सेवा-भाव ही उनकी विचारधारा की नींव है।

वरिष्ठ समाजसेवी लक्ष्मण सिंह ने कहा कि पं. दीनदयाल का मानना था कि स्वदेशी और लघु उद्योग भारत की आर्थिक व्यवस्था की आधारशिला होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि स्वदेशी की प्राथमिकता रखते हुए वे विश्व स्तर पर हो रहे नवाचारों को भी अपनाने के पक्षधर थे। शासी निकाय सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी ने छात्र-छात्राओं से अपील की कि हम अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करें और आसपास निर्मित वस्तुओं को खरीदकर लघु उद्योगों को बढ़ावा दें। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिला समन्वयक शिवदत्त उर्मलिया ने नवीन सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को पाठ्यक्रम की शैक्षणिक गतिविधियों से परिचित कराया और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग का संकल्प लेने की अपील की।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर जन अभियान परिषद द्वारा स्वदेशी वस्तु अपनाना है - भारत को समर्थ बनाना है विषय पर जागरूकता रैली निकाली गई। साथ ही महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया और सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. दिलीप सोनी, सीएमसीएलडीपी प्रभारी पुष्पेंद्र शाह, परामर्शदाता अजीत वर्मा, विनय तिवारी, पूजा पांडेय, प्रतिभा द्विवेदी, अश्वनी पटेल, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति रामगढ़ नंबर-2 अध्यक्ष अमित गौतम स्वतंत्र, नवांकुर संस्था पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सोन नदी में नहाते समय 13 वर्षीय बच्चा लापता, एसडीईआरएफ की टीम तलाश में जुटी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बहरी थाना क्षेत्र की सोन नदी में 13 वर्षीय बच्चा नहाते समय लापता हो गया। जानकारी के मुताबिक, खुटेली गांव का रहने वाला रामकुमार कोल गुरुवार सुबह 11 बजे अपने दोस्तों के साथ नहाने गया था। रामकुमार के साथ चार लड़कियां और एक लड़का भी नहा रहा था। सभी बच्चे नदी में छलांग लगाने के बाद बाहर आ गए, लेकिन रामकुमार गहरे पानी में चला गया। फिर सतह पर नहीं दिखा। उसके साथ गई रोशनी कोल ने तुरंत घर जाकर परिवार को सूचना दी।

परिजन जब नदी किनारे पहुंचे तो वहां रामकुमार की शर्ट मिली। इससे उसके डूबने की आशंका और बढ़ गई। परिजनों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचित किया। बहरी थाना प्रभारी राजेश पांडे के अनुसार, सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। एसडीईआरएफ की टीम को बुलाकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। खबर लिखे जाने तक गोताखोरों को बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला। स्थानीय ग्रामीण घटना से दुखी हैं। वे प्रशासन से बच्चे को जल्द ढूंढ़ने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और एसडीईआरएफ की टीम नदी में तलाश जारी रखे हुए है।

स्वच्छता केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और स्वस्थ जीवन का आधार है : विधायक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कुसमी विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जूरी में विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम के मुख्य आतिथ्य में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह, जनपद सदस्य भानू सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी, बीआरसी कुसमी, सरपंच जूरी एवं रौहाल, प्राचार्य जूरी सहित गणमान्य नागरिक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विद्यालय परिसर की साफ-सफाई की गई, एक पेड़ माँ के नाम रोपित किया गया, छात्रों ने स्वच्छता शपथ ली और विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहाकृ स्वच्छता केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और स्वस्थ जीवन का आधार है। विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह पहल बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना भी विकसित करती है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में स्वच्छता के प्रति रुचि बढ़ाना, पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना और स्कूल परिसर को हर समय साफ-सुथरा बनाए रखना रहा।

कोयला लदा ट्रक पलटा, चालक को नींद लगने से हुआ हादसा; जेसीबी से कोयले को हटाया गया

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। खैरहा थाना क्षेत्र में एक कोयला लदा ट्रक पलट गया। यह हादसा राजेंद्रा कॉलरी के पास हुआ। ट्रक दमानी कॉलरी से कोयला लोड करके बुढ़ार रेलवे साइडिंग की ओर जा रहा था। चालक को रास्ते में नींद आ गई। इस कारण वाहन बेकाबू हो गया और पलट गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि चालक को मामूली चोट आई हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही वाहन मालिक भी मौके पर पहुंच गए। जेसीबी की मदद से कोयले को हटाया जा रहा है और वाहन को उठाने का काम चल रहा है। पुलिस ने बताया कि वह मामले की जांच कर रही है। अभी तक थाने में इस घटना की कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में 'स्वदेशी जागरण सप्ताह' का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशों एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती के मार्गदर्शन में, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद एवं स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में गुरुवार को ष्स्वदेशी जागरण सप्ताहष् का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य स्वदेशी की अवधारणा को जन-जन तक पहुँचाना और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देना है। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

मुख्य वक्ता अखिलेश पांडे ने महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को रेखांकित करते हुए कहा कि स्वदेशी के माध्यम से ही भारत की आत्मनिर्भरता की परिकल्पना संभव है।

सहवक्ता एवं सभापति वन समिति जिला पंचायत सीधी कृष्ण लाल प्यासी ने ''स्वदेशी शक्ति, राष्ट्र शक्ति'' की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अपने क्षेत्र में उत्पादित वस्तुओं जैसे कोदो, सावा, कुटकी, मेझरी, ज्वार, बाजरा, मक्का और महुआ का प्रोत्साहन अत्यंत आवश्यक है। उनके अनुसार, स्वदेशी उत्पादों के माध्यम से ही स्वदेशी जागरण सप्ताह का लक्ष्य साकार होगा।

इस अवसर पर प्रो. बी.एल. सिंह, प्रो. सुनील सिंह, डॉ. सुरेश तिवारी, प्रो. राजकिशोर तिवारी, डॉ. संदीप कुमार शर्मा, डॉ. असलेंद्र जायसवाल, डॉ. रेनू सिंह, डॉ. सुषमा शुक्ला, रजनीश मिश्रा, गुलाब सिंह, संदीप कुमार कोल, मनीष सोनी, कृष्णकांत पांडेय सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन रजनीश कुमार द्विवेदी ने किया।

सांसद ने झाड़ू लगाकर पार्क की सफाई की, प्रतिमा की सफाई कर किया माल्यार्पण

पंडित दीनदयाल जयंती पर चलाया स्वच्छता अभिया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने पूजा पार्क में स्वच्छता अभियान चलाया। सुबह 10:30 से 11:30 बजे तक चले इस अभियान में सांसद ने स्वयं झाड़ू लगाकर पार्क की सफाई की। उन्होंने दीनदयाल जी की प्रतिमा को धोकर माल्यार्पण भी किया।

कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। सांसद मिश्रा ने कहा कि दीनदयाल जी ने भारत के विकास और प्रगतिशील समाज की परिकल्पना की। उन्होंने कहा कि हमें स्वच्छता और सामाजिक कार्यों में योगदान देकर समाज में सकारात्मक संदेश देना चाहिए।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। उनका जन्म 25 सितंबर 1916 को उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के नगला चंद्रभान गांव में हुआ था। उन्होंने अंत्योदय का सिद्धांत दिया, जिसका अर्थ है समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना।

उपाध्याय जी ने एकात्म मानववाद का दर्शन दिया। इसमें भारतीय संस्कृति, समाज और आर्थिक नीतियों का संतुलित मार्ग बताया गया। उनका मानना था कि राष्ट्र का विकास तभी होगा जब समाज का सबसे कमजोर व्यक्ति भी आत्मनिर्भर हो। उनका जीवन सादगी और सेवा का उदाहरण है।

1 घंटे की बारिश से किसानों को राहत, धान की फसल को मिलेगा पोषण; गुणवत्ता और उपज में होगी वृद्धि

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में गुरुवार को रामपुर नैकिन और चुरहट क्षेत्र में सुबह 11 बजे से झमाझम बारिश शुरू हुई। करीब एक घंटे तक चली बारिश ने लोगों को उमस और गर्मी से राहत दी। इस दौरान तेज चमक-गर्जन के साथ कई स्थानों पर बिजली गिरी, लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई। मौसम ने एक बार फिर करवट बदली।

मौसम विभाग के अनुसार बारिश फसलों के लिए अनुकूल

मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को जिले में 36 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई थी। कृषि वैज्ञानिक धनंजय सिंह के अनुसार, यह बारिश खेती और मौसम दोनों के लिए अनुकूल है। धान की बालियां निकल आई हैं और अनाज पकने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस समय हुई वर्षा नहर के पानी से अधिक प्रभावी है। इससे धान की गुणवत्ता और उपज में वृद्धि होगी।

स्थानीय किसान हेतराम तिवारी ने बताया कि उन्होंने इस साल 20 एकड़ में धान की खेती की है। मौसम की अनुकूलता को देखते हुए पिछले साल की तुलना में दोगुनी पैदावार की संभावना है। रुक-रुक कर हुई वर्षा और समय पर मिली नमी ने धान की फसल को पूरा पोषण दिया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों ने बारिश का आनंद लिया। किसानों ने इसे ईश्वर का आशीर्वाद माना। उनका कहना है कि यदि इसी तरह समय-समय पर बारिश होती रही तो इस साल जिले में धान की पैदावार रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच सकती है।

जनपद पंचायत सिहावल में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा उत्साहपूर्वक मनाया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत सिहावल परिसर में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जनपद स्तर के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने मिलकर साफ-सफाई अभियान चलाया और स्वच्छता जागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। बताया गया कि यह पखवाड़ा 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक लगातार मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रतिदिन जन सहभागिता के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति को एक घंटा स्वच्छता के लिए समय देने की अपील की गई। साथ ही सभी ग्राम पंचायतों एवं स्थानीय जनता से इस अभियान में सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की गई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी रश्मि पांडे ने कहा स्वच्छता केवल जिम्मेदारी नहीं बल्कि एक जन-आंदोलन है। यदि प्रत्येक नागरिक इसे अपने जीवन का हिस्सा बना ले तो समाज में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का निर्माण संभव है। इस दौरान कार्यालय से बीपीओ कामता तिवारी, एसबीएम बीसी अरुण पाठक, बीसी आवास मनमूर्त मिश्रा, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान से विकासखंड समन्वयक सोमिल तिवारी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़एक्सीलेंस में 'स्वदेशी जागरण सप्ताह' का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, स्वदेशी जागरण मंच और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में ''स्वदेशी जागरण सप्ताह'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीधी लोकसभा के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से हुई। मुख्य अतिथि डॉ. राजेश मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती है और उनका संदेश था -स्वदेशी अपनाएँ, हिंदी से लगाव रखें, स्वदेशी वेशभूषा और खान-पान अपनाएँ और देशप्रेम को बढ़ावा दें। उन्होंने छात्र-छात्राओं को स्वदेशी अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

विशिष्ट अतिथि जन अभियान परिषद स्वशासी निकाय सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी ने कहा कि स्वदेशी हमारी पहचान है और इसके लिए समाज सेवा के माध्यम से उत्कृष्ट कार्य करना आवश्यक है। वरिष्ठ समाजसेवी लक्ष्मण सिंह ने विद्यालयों में समाज सेवा की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.के. सिंह ने कहा कि दिवाली के निकट आते समय चीनी उत्पादों की बढ़ती पैठ के बीच, हमें घरेलू उत्पादों को अपनाकर लघु एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित करना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्या वन में पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिवदत्त उरमालिया, जिला समन्वयक मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशन में हुआ। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. रामनारायण स्वर्णकार, सांसद प्रतिनिधि डॉ. मनोज सिंह, डॉ. दिलीप कुमार सोनी, प्रो. पुष्पेंद्र शाह, डॉ. गुलाम मोहिउद्दीन, मेंटर्स जन अभियान परिषद और सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने व्याख्यान सुना और पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

दिव्यांग महिलाओं एवं पुरुषों के लिए 6 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) सीधी एवं म.प्र. डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में स्व-सहायता समूह से जुड़ी दिव्यांग महिलाओं एवं पुरुषों के लिए 6 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम पंचायत ताला में दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी धनंजय मिश्रा, निदेशक शिवेन्द्र कुमार चौधरी, ब्लॉक प्रबंधक चंद्रकांत सिंह, ग्राम सरपंच प्रियंका पनिका, संतोष कुमार साहू एवं अरुण गौतम उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने प्रतिभागियों से संवाद किया। मुख्य अतिथि धनंजय मिश्रा ने कहाकृ दिव्यांगजन प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई कला और कौशल से घर बैठे भी स्वरोजगार शुरू कर सकते हैं। यदि वे अपनी प्रतिभा को सही दिशा में लगाएँ, तो न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति भी सुधार पाएंगे।

ढलियारा का खूनी मोड़

ढलियारा के मोड़ पर पुनः पुराना हादसा और परिवहन व्यवस्था की चीख निकल गई। चार लोगों की मौत में श्रद्धालु गिनें, गलत वाहन पर यात्रियों की ढुलाई को मना करें या इन रास्तों की खूंखार इंजीनियरिंग में दोष चुनें। जो भी हो यह मंजर बार-बार लौट कर आता है और रास्ते के पत्थर शिकायत करते हैं। आश्चर्य है कि चंडीगढ़ और जालंधर को धर्मशाला से जोड़ता यह मार्ग दुर्घटनाओं की कब्र में मृत मान लिया गया। गलतियां चुनना आसान है और जांच के पहिए दौड़ाना भी मुश्किल नहीं, पर इस हादसे को पर्यटन से जोड़ के देखें तो एक गहरी सी टीस उठती है। पर्यटक वाहनों के लिए हमारे निर्देश, हमारे आदेश और हमारी चौकसी है क्या। माना कि श्रद्धा का सामान लिए यह ट्रक चामुंडा में लंगर डालकर, नवरात्रि पर्व के पुण्य में शरीक होने की मंजिल पर जा रहा था। क्या ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली और दोपहिया वाहनों पर यात्रियों को परिवहन नियमों की अवहेलना का अधिकार मिल जाता है। इस दुर्घटना के कई भाग और लक्षण हैं, जहां वाहन, परिवहन, ट्रैफिक पैट्रोलिंग और सडक़ की स्थिति में से किसी को भी दोषी चुना जा सकता है। हम पर्यटन विस्तार की हसरतों में सैलानियों के आगमन को खरी खबर मानते हैं, लेकिन हर साल एक मुकाम हार जाता है, तेरे आने से पहले बुरी खबर से। पर्यटकों को वाहनों के कारण, नदी-नालों में नहाने के कारण व पहाड़ों में भटक जाने के कारण, हर साल जिंदगी के जोखिम भारी पड़ते हैं, लेकिन हर साल ऐसी घटनाओं की बुरी खबर पूरे सीजन पर बुरी नजर बन जाती है। हम इस बार मान सकते हैं कि ट्रक का ड्राइवर गलत था या सडक़ पर उसका एहसास गलत था, लेकिन पिछले दिनों भारी बरसात में जिस तरह श्रद्धा का विकृत स्वरूप सामने आया, उसे क्या कहेंगे। हमारा आशय दोपहिया वाहनों को मालगाड़ी बना कर दौड़ाने का आलम मकलोडगंज से मनाली तक की सडक़ों को भयभीत करता रहा। यहां यह भी कहना जरूरी होगा कि सडक़, परिवहन और वाहन चालन को पर्यटन की सुरक्षित व्यवस्था में देखने की जरूरत है। यह भी देखा गया है कि हाल के वर्षों में पुराने वाहनों पर पहाड़ पर चढऩे की मानों कोई प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई हो। श्रद्धा में आत्मविभोर होना एक बात है, लेकिन धार्मिक पर्यटन के खुलासे में हमारी व्यवस्था चकनाचूर हो रही है। क्या हम नदी-नालों में डूबते सैलानियों को नहीं बचा सकते। क्या हम ढलियारा के खूनी मोड़ों को परिवहन के हिसाब से सही नहीं कर सकते। क्या हम बाहरी राज्यों के वाहनों को पर्वतीय परिवहन के अनुशासन से नहीं बांध सकते। जो भी हो कुछ हिदायतें हमें ऐसे हादसों से मिलती जरूर, लेकिन सबक नजरअंदाज हो जाते हैं। पर्यटन की मंजिलों को जोड़ते परिवहन और परिवहन के आंकड़ों में सैलानी वाहनों को समझना होगा। न हम परिवहन को अफरातफरी का मंजर बना सकते हैं और न ही सडक़ों को कब्रगाह बनने की ढील दे सकते हैं। हिमाचल में पर्यटक आवाजाही को देखते हुए कुछ सडक़ों की हालत को सुधारने की गुंजाइश है। इसी संदर्भ में जालंधर व चंडीगढ़ से धर्मशाला को जोड़ते मार्गों की स्थिति में व्यापक सुधार की गुंजाइश है। रानीताल-मुबारिकपुर तथा जालंधर-मुबारिकपुर-नादौन तक प्रस्तावित फोरलेन मार्गों से आवश्यक सुधार आ सकता है, लेकिन इसके लिए हिमाचल में पर्यटन व धार्मिक सर्किट बनाने की दिशा में एक मुकम्मल परिवहन परियोजना की जरूरत है। बेहतर यह भी होगा कि अंब-अंदौरा तक पहुंची ऊना रेल का रुख ज्वालाजी-कांगड़ा की ओर मोड़ा जाए।

प्रदेश को पर्यटक परियोजनाओं की मंजिलें अगर सुदृढ़ करनी हैं, तो सर्वप्रथम आने वाले मेहमानों के

संपादकीय

गुणवा से परिपूर्ण हो बुजुर्ग जीवन

अनुज आचार्य

अंततः बुजुर्ग केवल अतीत का बोझ नहीं हैं, बल्कि वर्तमान का अनुभव और भविष्य का मार्गदर्शन हैं। वे उस दीपक की तरह हैं, जिसकी लौ भले ही उम्र के कारण धीमी हो जाए, मगर जिसकी रोशनी से आने वाली पीढिय़ां दिशा पाती हैं। यह युवा पीढ़ी का दायित्व एवं कर्त्तव्य है कि समाज में वृद्ध लोगों का सम्मान करें, उनकी मानवीय गरिमा को बनाएं रखें, उनके अनुभवों और ज्ञान का आदर करें तथा उन्हें प्यार, अपनापन और सामाजिक समावेश प्रदान करें ताकि वे खुशी-खुशी अपना जीवन जिएंज्

किसी भी समाज की सभ्यता का असली पैमाना यह है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। जीवन की समझ, संघर्ष और अनुभव का खजाना बने बुजुर्ग किसी भी राष्ट्र की धरोहर होते हैं। वे केवल बीते समय की कहानियां नहीं, बल्कि वर्तमान की मजबूती और भविष्य की दिशा देने वाले दीपस्तंभ हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में आज सबसे गंभीर सवाल यही है कि क्या हम अपने वरिष्ठ नागरिकों को वह गरिमा, सुरक्षा और सक्रिय जीवन दे पा रहे हैं जिसके वे हकदार हैं। भारत में परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं, 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 10.4 करोड़ लोग 60 वर्ष या उससे अधिक आयुवर्ग के थे। 2021 तक यह संख्या 13.8 करोड़ पर पहुंची और अनुमान है कि 2026 तक यह 17.3 करोड़ से अधिक हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक भारत की लगभग 20 प्रतिशत जनसंख्या वृद्ध होगी, जबकि 2046 तक स्थिति ऐसी होगी कि बुजुर्गों की संख्या बच्चों से भी अधिक हो जाएगी। यह बदलाव केवल आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना और मानवीय मूल्यों की नई परीक्षा है। दिलचस्प तथ्य यह है कि भारत के लगभग 71 प्रतिशत बुजुर्ग ग्रामीण इलाकों में रहते हैं, जहां स्वास्थ्य सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा का ढांचा अपेक्षाकृत कमजोर है। बुजुर्ग जीवन केवल लंबा नहीं होना चाहिए, बल्कि गुणवत्ता से परिपूर्ण भी होना चाहिए। भारत में औसत जीवन प्रत्याशा दर लगातार बढ़ रही है।

महिलाएं औसतन 70 वर्ष से ऊपर और पुरुष लगभग 68 वर्ष तक जी रहे हैं। मगर इन वर्षों में सबसे बड़ी चुनौती सक्रियता, स्वास्थ्य और गरिमा बनाए रखने की है। चलने-फिरने की कठिनाई, हड्डियों और जोड़ों की बीमारियां, देखने-सुनने की समस्याएं आम हो चुकी हैं। आर्थिक स्थिति भी बहुत चुनौतीपूर्ण है, अधिकांश बुजुर्ग अब भी अपने बच्चों या रिश्तेदारों पर निर्भर रहते हैं। 60 से 64 वर्ष की आयु के 65 प्रतिशत पुरुष और मात्र 18 प्रतिशत महिलाएं ही किसी आर्थिक गतिविधि में संलग्न हैं। वृद्धावस्था निर्भरता अनुपात 1961 में 10.9 प्रतिशत था, जो 2021 में 15.7 प्रतिशत हो चुका है और 2031 में इसके 20 प्रतिशत से ऊपर पहुंचने की संभावना है। इसका सीधा अर्थ है कि कार्यशील जनसंख्या पर बोझ बढ़ेगा और परिवारों पर दबाव और गहरा होगा। सुरक्षा की स्थिति भी चिंताजनक है। 2021 के आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में प्रति लाख आबादी पर बुजुर्गों के खिलाफ अपराध दर 93.8 थी। यह स्थिति उस वर्ग के लिए बेहद दर्दनाक है जिसे जीवन की संध्या में सहारे और सुरक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। सरकार ने बुजुर्गों के कल्याण के लिए कुछ योजनाएं लागू की हैं। 'वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007' बच्चों को माता-पिता की देखभाल का कानूनी दायित्व देता है। 'राष्ट्रीय वयोश्री योजना' के तहत गरीब बुजुर्गों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं।

हिमाचल में रोगी मित्र योजना की घोषणा की गई है जिसके तहत 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग वाले बुजुर्गों की घर द्वार सेवा की जाएगी। इसके अलावा हिमाचल सरकार द्वारा 9 वृद्धजन आश्रमों का संचालन भी किया जा रहा है। पेंशन योजनाएं, डे-केयर सेंटर और हेल्पलाइन सेवाएं भी उपलब्ध हैं। लेकिन सच यह है कि विशाल जरूरतों के सामने ये पहलें छोटी-सी कोशिश भर हैं। ऐसे समय में केरल ने एक ऐतिहासिक पहल की है। राज्य ने देश का पहला 'वरिष्ठ नागरिक आयोग' गठित किया है, जो बुजुर्गों के कल्याण, संरक्षण और पुनर्वास को सुनिश्चित करेगा। आयोग उपेक्षा, शोषण, अकेलापन और स्वास्थ्य समस्याओं जैसे मुद्दों को संबोधित करेगा और बुजुर्गों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर देगा। साथ ही आयोग, समाज को यह संदेश भी देगा कि वरिष्ठ नागरिक बोझ नहीं, बल्कि अनुभव और ज्ञान का खजाना हैं।

ऐसे में यह पहल न केवल समयानुकूल, बल्कि दूरदर्शी

> **एक आर्थिक व्यवस्था को लोगों के अस्तित्व और विकास के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और विकास के लिए आवश्यक सभी बुनियादी वस्तुओं का उत्पादन करना चाहिए। न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति के बाद, यह बहस छिड़ जाती है कि क्या अधिक धन और सुख के लिए अधिक उत्पादन आवश्यक है। पश्चिमी देशों का मानना है कि मनुष्य की माँगों और आवश्यकताओं को व्यवस्थित और निरंतर रूप से बढ़ाना, यदि वांछनीय नहीं तो, अत्यंत आवश्यक है। इस परिस्थिति में कोई ऊपरी सीमा नहीं है। आमतौर पर, इच्छाएँ वांछित परिणाम प्राप्त करने के प्रयास से पहले होती हैं। लोग उन वस्तुओं की इच्छा और उपयोग करने के लिए प्रेरित होते हैं जो पहले से उत्पादित हैं या उत्पादित की जा रही हैं। माँग को पूरा करने के लिए उत्पादन करने के बजाय, वस्तुओं के लिए बाज़ार खोजने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। माँग उत्पन्न करने के लिए व्यवस्थित प्रयास किए जाते हैं।**

अर्थव्यवस्था, उपभोक्तावाद, पर्यावरण पर दीनदयालजी का दृष्टिकोण

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

आर्थिक प्रणालियों और सुख-शांति के बीच गहरा संबंध है। उपभोक्तावाद-प्रधान दुनिया में यह सोचना वाजिब है कि क्या वर्तमान आर्थिक प्रणाली, जो हमारे बड़े पैमाने पर विनिर्माण के उपयोग द्वारा सन्निहित है, सभी मनुष्यों को सुख प्रदान करने में सक्षम है। इसके परिणामस्वरूप कई समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं, जिनमें विश्व के प्राकृतिक संसाधनों का असंतुलित दोहन भी शामिल है और इसलिए पर्यावरणीय और सामाजिक स्थिरता को प्राप्त करने के लिए आर्थिक प्रणालियों में सुधार किया जाना आवश्यक है। भारत के संदर्भ में इसके लिए 21वीं सदी में आर्थिक और सामाजिक प्रगति की अवधारणा को पुनर्जीवित करने हेतु पुराने साहित्य का पुनरावलोकन करना आवश्यक है, न कि पश्चिमी आर्थिक विचारों जैसे वाणिज्यवाद का अनुसरण करना। भारत या मानवता के लिए एक वैकल्पिक आर्थिक सिद्धांत की आवश्यकता हो सकती है, क्योंकि पूँजीवाद, साम्यवाद और अन्य सिद्धांतों में सामाजिक निर्वाह के बारे में ऐसी धारणाएँ निहित हैं जो संभवतः पूर्ण सुख-शांति के लिए अपर्याप्त हैं। भारत और वैश्विक समाज के लिए वर्तमान पश्चिमी आर्थिक सिद्धांतों द्वारा प्रदान की जाने वाली आर्थिक निती से बेहतर निती की आवश्यकता है।

एक आर्थिक व्यवस्था को लोगों के अस्तित्व और विकास के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और विकास के लिए आवश्यक सभी बुनियादी वस्तुओं का उत्पादन करना चाहिए। न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति के बाद, यह बहस छिड़ जाती है कि क्या अधिक धन और सुख के लिए अधिक उत्पादन आवश्यक है। पश्चिमी देशों का मानना है कि मनुष्य की माँगों और आवश्यकताओं को व्यवस्थित और निरंतर रूप से बढ़ाना, यदि वांछनीय नहीं तो, अत्यंत आवश्यक है। इस परिस्थिति में कोई ऊपरी सीमा नहीं है। आमतौर पर, इच्छाएँ वांछित परिणाम प्राप्त करने के प्रयास से पहले होती हैं। लोग उन वस्तुओं की इच्छा और उपयोग करने के लिए प्रेरित होते हैं जो पहले से उत्पादित हैं या उत्पादित की जा रही हैं। माँग को पूरा करने के लिए उत्पादन करने के बजाय, वस्तुओं के लिए बाज़ार खोजने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। माँग उत्पन्न करने के लिए व्यवस्थित प्रयास किए जाते हैं। यह पश्चिमी आर्थिक व्यवस्था की एक विशिष्ट विशेषता बन गई है। पहले, उत्पादन माँग के अनुसार होता था, लेकिन अब माँग उत्पादन के अनुसार होती है। यदि जो कुछ भी बनाया जाता है उसका उपभोग नहीं किया जाता है, तो 1930-32 जैसी मंदी आ जाएगी। उस समय वस्तुओं का अधिशेष था, लेकिन माँग नहीं थी। कारखानों को बंद करना पड़ा। दिवालियापन और बेरोजगारी व्याप्त थी। इसलिए, आजकल, यह ज़रूरी है कि जो उत्पादित हो, उसका उपभोग किया जाए।

पर्यावरण-विनाशकारी उपभोक्तावाद: उपभोक्तावाद, इस अर्थ में कि वस्तुएँ उपभोक्ताओं की मूलभूत आवश्यकताओं के अनुरूप बनाई जाती हैं, पूरी तरह से सराहनीय है। एक मुक्त अर्थव्यवस्था में, पूँजी उपलब्ध होती है, और उत्पादन उपकरणों को व्यस्त रखना आवश्यक होता है। परिणामस्वरूप, बड़ी मात्रा में विविध प्रकार के उत्पादों का उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। विभिन्न प्रकार के विज्ञापन और विपणन योजनाओं के माध्यम से उपभोक्ताओं को अधिक से अधिक वस्तुएँ खरीदने के लिए लुभाया जाता है। लोग अपनी आवश्यकता से अधिक खरीद लेते हैं। आवश्यकताओं को सुख-सुविधाओं में बदल दिया जाता है, जो फिर विलासिता में बदल जाती हैं। आवश्यकताओं, सुख-सुविधाओं और विलासिता के बीच सीमाएँ निर्धारित करना कठिन हो जाता है।

यह आर्थिक ढाँचा अब केवल उपभोग के बारे में नहीं है; यह स्पष्ट रूप से विनाश की ओर जा रहा है। पुराने को त्यागें और नया खरीदें! लोगों की आवश्यकताओं और माँगों को पूरा करने के बजाय, आधुनिक अर्थशास्त्र नई माँग उत्पन्न करने का प्रयास करता है। यह मानते हुए कि यदि हमें प्राकृतिक संसाधनों की सीमित मात्रा के बारे में चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है, तब भी प्रकृति में संतुलन का मुद्दा बना रहता है।

प्रकृति के विभिन्न तत्वों में एक चक्रीय अंतःक्रिया होती है। यदि पारस्परिक सहायता प्रदान करने वाली तीन छड़ियों में से एक को हटा दिया जाए, तो अन्य दो स्वतः ही गिर जाएँगी। वर्तमान आर्थिक और विनिर्माण प्रणालियाँ प्राकृतिक संतुलन को तेज़ी से बिगाड़ रही हैं। एक ओर, बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए नई वस्तुओं का विकास हो रहा है तो दूसरी ओर रोज़ाना नई चुनौतियाँ सामने आ रही हैं, जो मानवता के अस्तित्व के लिए ख़तरा बन रही हैं। उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का उस प्रतिशत तक उपयोग करना ज़रूरी है जिसकी प्रकृति शीघ्रता से भरपाई कर सके। जब फल लगते हैं, तो इससे पेड़ को फ़ायदा होता है। हालाँकि, फ़सल बढ़ाने के लिए, रासायनिक खादों का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे ज़मीन अनुपजाऊ हो जाती है। इस प्रभाव के कारण अमेरिका में लाखों एकड़ ज़मीन बंजर हो गई है। यह विनाशकारी नृत्य कब तक जारी रह सकता है?

मूल्य संवर्धन: मूल्य संवर्धन किसी भी मौजूदा आर्थिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण शब्द है। कॉर्नफ्लेक्स के प्लास्टिक से भरे बैग के लिए एक सुंदर डिज़ाइन वाला रंगीन डिब्बा कॉर्नफ्लेक्स के मूल्य को बढ़ा देता है। चीनी में लिपटे बिस्कुट एक मूल्यवर्धित उत्पाद है। मूल्य संवर्धन की चाह में, हम तैयार घरों, गाड़ियों, बिस्तर के कवर और ज़्यादातर रोज़मर्रा की ज़रूरतों की क़ीमतें बढ़ा देते हैं। अगर किसी व्यक्ति के पास मूल्य संवर्धन के लिए उपयोगी कौशल का अभाव है, तो उसकी आय में कोई वृद्धि नहीं होती।

दीनदयालजी ने अपने व्याख्यान में मूल्य की घटना का वर्णन किया है। ÷यदि ऐसा मानवीय लक्ष्य आर्थिक व्यवस्था को प्रेरित करता है, तो आर्थिक मुद्दों पर हमारी सोच पूरी तरह बदल जाएगी। पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं में, चाहे पूंजीवादी हों या समाजवादी, व्यापारिक मूल्य सबसे महत्वपूर्ण और केंद्रीय अवधारणा है। सभी आर्थिक सिद्धांत मूल्य के इर्द-गिर्द घूमते हैं। अर्थशास्त्री के दृष्टिकोण से मूल्य की जाँच अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है, लेकिन जो सामाजिक दर्शन पूरी तरह से मूल्य पर केंद्रित हैं, वे कहीं अधिक अपूर्ण, अमानवीय और कुछ हद तक अनैतिक हैं।

आज की लोकप्रिय कहावत ÷अपनी रोटी खुद कमाना चाहिए÷ पर विचार करें। आमतौर पर कम्युनिस्ट इस नारे का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन पूंजीपति भी इससे मौलिक रूप से असहमत नहीं हैं। यदि उनके बीच कोई अंतर है तो वह केवल इस संदर्भ में है कि कौन कमाता है और कितना। पूंजीपति पूंजी और उद्यमिता को उत्पादन के प्रमुख घटक मानते हैं इसलिए वे मानते हैं कि वे मुनाफे के एक बड़े हिस्से के हकदार हैं। दूसरी ओर, कम्युनिस्ट मानते हैं कि श्रम ही उत्पादन का एकमात्र कारक है। परिणामस्वरूप, वे श्रमिकों को उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा देना चाहते हैं। ÷इनमें से कोई भी विचार सही नहीं है और संकुचित मनोवृत्ती का प्रदर्शन करता है।÷

आर्थिक और सामाजिक संकेतकों पर काम की ज़रूरत: व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले पश्चिमी आर्थिक मॉडल के सामाजिक रोगसूचक संकेतकों और पर्यावरणीय विशेषताओं पर इसके प्रभाव का गहन मूल्यांकन आवश्यक है। इस तथ्य के बावजूद कि अधिकांश देशों की राष्ट्रीय संपत्ति बढ़ रही है, अर्थशास्त्रियों और बुद्धिजीवियों को यह पता लगाना होगा कि समय के साथ खुशी, शांति, शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य जैसे सामाजिक रोगसूचक संकेतक और पर्यावरणीय कारक क्यों कम हो रहे हैं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं लगभग सभी परिवारों को प्रभावित कर रही हैं और खुशी और शांति दुःस्वप्न और मनगढ़ंत कल्पना में बदल रही हैं। संभावित कारण क्या हैं, और सामाजिक संकेतकों को बेहतर बनाने के लिए उनका प्रभावी ढंग से समाधान कैसे किया जा सकता है?

जीवन का अंतिम लक्ष्य खुशी और शांति है। हम जो भी करते हैं, हम आनंद और शांति पाने की कोशिश करते हैं। हालाँकि, जीडीपी, जीएनपी, भुगतान क्षमता और भुगतान संतुलन के मामले में समृद्ध होने का दावा करने वाले विकसित देशों में भी स्थिति बदतर हो गई है। दुनिया धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था की पुरानी हिंदू धारणा को पहचान रही है, जो भौतिक और सामाजिक दोनों सूचकांकों पर केंद्रित है।

राष्ट्रीय संपत्ति बढ़ाने के लिए उपयोग की जाने वाली रणनीतियों की गहन जांच की जानी चाहिए ताकि यह समझा जा सके कि नकारात्मक सामाजिक रोगसूचक संकेतक उन्हें कैसे बढ़ाते हैं। शराब, तंबाकू और नशीली दवाओं के सेवन में तेज़ी से वृद्धि, साथ ही रासायनिक रूप से प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, प्रत्येक राष्ट्र की राष्ट्रीय संपदा की वृद्धि में योगदान देने वाले कुछ कारक हैं। हालाँकि, आर्थिक मॉडल पर पुनर्विचार करने के लिए सामाजिक विकृति सूचकांकों और पर्यावरण पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों पर ध्यान देना आवश्यक है।

हर साल, नशीली दवाओं का दुरुपयोग दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को भारी नुकसान पहुँचाता है, जिससे कई समाजों का शांतिपूर्ण विकास और सुचारू संचालन खतरे में पड़ जाता है। नशीली दवाओं के उपयोग की आर्थिक लागतों को समझना आवश्यक है ताकि उन्हें कम करने वाली रणनीतियाँ बनाई जा सकें। इस तथ्य के बावजूद कि यह राष्ट्रीय आय उत्पन्न करके अर्थव्यवस्था में सुधार करता है, नशीली दवाओं की लत का पाँच प्राथमिक क्षेत्रों पर गहरा प्रभाव पड़ता हैः स्वास्थ्य, सार्वजनिक सुरक्षा, अपराध, उत्पादकता और शासन।

इस प्रकार, हमें ÷हिंदू ब्रह्मांड विज्ञान÷ और ÷न्यूटोनियन ब्रह्मांड विज्ञान÷ के बीच अंतर करना चाहिए। ÷सब एक है÷ के हिंदू दर्शन के अनुसार, समाज एक शरीर है, और व्यक्ति उसके अंग हैं, इसलिए सभी को एक-दूसरे, समाज और पर्यावरण की खुशी और भलाई प्राप्त करने के लिए मज़बूत संबंधों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। दूसरी ओर, पश्चिमी मानसिकता यह तर्क देती है कि ÷मैं ब्रह्मांड का केंद्र हूँ,÷ और मुझे केवल अपने सुख की तलाश करनी चाहिए, भले ही इसका अर्थ दूसरों का शोषण करना ही क्यों न हो। दूसरों की तुलना बाज़ार की वस्तु से की जा सकती है। इस विचारधारा या विचार प्रक्रिया ने सामाजिक संकेतकों और पर्यावरण को प्रभावित किया है, और सभी के लिए इसकी कीमत केवल मौद्रिक नहीं है; समाज की चेतना क्षीण हो गई है।

एक जापानी अर्थशास्त्री, श्रौर ने ÷नव राष्ट्रीय कल्याण या नव आर्थिक कल्याण÷ नामक एक नया आर्थिक मॉडल तैयार किया, जो स्पष्ट रूप से वास्तविक शुद्ध राष्ट्रीय मूल्य की गणना के लिए राष्ट्रीय संपत्ति से सामाजिक और पर्यावरणीय हानिकारक संकेतकों की लागत को हटाने की सलाह देता है। हिंदू आर्थिक प्रणाली भी इसी दर्शन में विश्वास करती है, भौतिकवादी और आध्यात्मिक दोनों तरह के उत्थान में, जो आज की आवश्यकता है।

पत्थर, पुल और हम

> **मानव संबंधों पर, इनसानी आदतों पर, हम सबके व्यवहार पर शोध होते ही रहते हैं। मानव मस्तिष्क एक जटिल मशीन है और हमारे दिमाग पर, हमारे विचारों पर और हमारे व्यवहार पर होने वाले शोध हर बार किसी ऐसे नये सत्य का उद्घाटन करते हैं जिसे यदि हम समझ लें तो जीवन जीने का हमारा तरीका ही बदल जाए। दुनिया भर की रिसर्च में ये पाया गया है कि सबसे ज्यादा गिनती उन लोगों की है जो दूसरों के कामों में गलतियां निकालते रहते हैं। ऐसे लोगों की निगाह बड़ी तीखी होती है और वे छोटी से छोटी गलती को भी पकड़ लेते हैं और उसकी आलोचना शुरू कर देते हैं।**

पीके खुराना

हमें याद रखना चाहिए कि सफल होने से पहले हर व्यक्ति संघर्ष कर रहा होता है। संघर्ष का वह समय कितना लंबा होगा, यह हर व्यक्ति के साधनों, संपर्कों, योग्यताओं और किस्मत पर निर्भर करता है। दुनिया किसी व्यक्ति को तब जानना शुरू करती है जब वह कुछ नया कर दिखाता है। तालियां तब बजती हैं, मैडल तब मिलते हैं जब कोई विजयी हो जाता है। जीत से पहले मेहनत है, अनुशासन है, संघर्ष है, उपेक्षा है, यहां तक कि अपमान भी है। यह परिवार और मां-बाप का सामूहिक उत्तरदायित्व है कि संघर्षरत बच्चे का मार्गदर्शन करें, उत्साह बढ़ाएं और आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेंज्

मानव संबंधों पर, इनसानी आदतों पर, हम सबके व्यवहार पर शोध होते ही रहते हैं। मानव मस्तिष्क एक जटिल मशीन है और हमारे दिमाग पर, हमारे विचारों पर और हमारे व्यवहार पर होने वाले शोध हर बार किसी ऐसे नये सत्य का उद्घाटन करते हैं जिसे यदि हम समझ लें तो जीवन जीने का हमारा तरीका ही बदल जाए। दुनिया भर की रिसर्च में ये पाया गया है कि सबसे ज्यादा गिनती उन लोगों की है जो दूसरों के कामों में गलतियां निकालते रहते हैं। ऐसे लोगों की निगाह बड़ी तीखी होती है और वे छोटी से छोटी गलती को भी पकड़ लेते हैं और उसकी आलोचना शुरू कर देते हैं। किसी की गलती ढूंढना, किसी की बुराई करना, किसी की कमियां गिनाना, उनका शौक है, उनका शगल है। इससे उन्हें कुछ मिलता नहीं, बस उनके अपने दिल को एक नकारात्मक संतुष्टि मिलती है, क्योंकि वे किसी की गलती इसलिए नहीं निकालते कि वे उसे सुधारने में मदद कर सकें, बल्कि उनका उद्देश्य तो सिर्फ इतना सा होता है कि गलती के बहाने उन्हें आलोचना करने का, चटपटी गपशप का एक सिलसिला मिल जाए। गलती समझ कर मार्गदर्शन करना या सहायता का हाथ बढ़ाना एक बात है और गलती समझ कर उसे गपशप का माध्यम बना देना एक बिलकुल अलग ही नशा है जो सबके लिए हानिकारक है। ऐसे ही लोगों की एक दूसरी किस्म भी है। अफवाहें फैलाने वाले और गपशप में रस लेने वाले इन लोगों को खबरची कहा जाता है। ऐसे लोग पड़ोसियों के घर में हर आने-जाने वाले पर निगाह रखते हैं, हर किसी के मामले में दखल देते हैं, हर एक व्यक्ति से उनके व्यक्तिगत जीवन के बारे में भी असुविधाजनक सवाल पूछते हैं, खोद-खोद कर सवाल पूछते हैं और फिर प्राप्त जानकारी का ढिंढोरा पीटते हैं। ये हर किसी से प्रेम से मिलते हैं पर किसी के सगे नहीं हैं। ये किसी के मुंह पर कोई बात नहीं कहते और पीठ पीछे चुप नहीं होते। ये गप्पें मारने वाले और अफवाहें फैलाने वाले लोग हैं। तीसरे नंबर पर बहुत कम लोग हैं जो किसी के सुख-दुख में शामिल रहते हैं। वे बातूनी हों या न हों, पर सहायक अवश्य होते हैं, आगे बढक़र साथ देते हैं, बिना कहे भी जिम्मेदारियां संभालते हैं और अकसर एहसान नहीं जताते।

चौथे नंबर पर इनसे एक और कदम आगे वाले वे लोग हैं जो किसी की कमी देखते हैं, महसूस करते हैं और ये समझकर कि ये कमी उस व्यक्ति के विकास में बाधा बन सकती है, उसका मार्गदर्शन करते हैं, हौसला बढ़ाते हैं। ऐसा वे किसी स्वार्थवश करें या निस्वार्थ होकर करें पर ऐसे लोग कइयों का बेड़ा पार लगाने में सहायक हो जाते हैं। ये विरले लोग मन से ही दयालु होते हैं, समझदार होते हैं। ऐसे लोग अकसर वे हैं जो खुद भी सफल हैं और दूसरों की सफलता में भी सहायक होते हैं। पांचवें नंबर पर आने वाले लोग लाखों में एक होते हैं, जो मार्गदर्शन करते हैं, हौसला बढ़ाते हैं, पर यहीं रुकते नहीं, बल्कि आगे बढ़ कर सहायता भी करते हैं, सुख-दुख में सहारा भी बनते हैं। ऐसे लोग रास्ते का रोड़ा नहीं हैं, ये हम पर पत्थर नहीं फेंकते, बल्कि हमें औरों द्वारा फेंके गए पत्थरों से पुल बनाना सिखाकर हमारे जीवन का ढर्रा ही बदल देते हैं। ये सिर्फ मार्गदर्शन ही नहीं करते, हौसला ही नहीं बढ़ाते, बल्कि जरूरत होने पर किसी मित्र के पास हमारी सिफारिश करने से भी नहीं हिचकते और कई बार तो आर्थिक सहायता से भी नहीं चूकते। आज हमारे समाज की समस्या यह है कि बहुत से परिवार भी इन्हीं पांच किस्मों के हैं। ऐसे मां-बाप की कमी नहीं है जो अपने बच्चों की कमियां ही गिनाते रहते हैं, उन्हें हतोत्साहित करते रहते हैं। कभी अज्ञानवश और कभी अपने स्वभाव के कारण। वे अपने बच्चों का ही जीना दूभर कर देते हैं। अगर किसी घर में मां सौतेली हो और उसे अपने सौतेले बच्चों से प्यार न हो तो घर का पूरा वातावरण ही दूषित हो जाता है। हमें याद रखना चाहिए कि सफल होने से पहले हर व्यक्ति संघर्ष कर रहा होता है। संघर्ष का वह समय कितना लंबा होगा, यह हर व्यक्ति के साधनों, संपर्कों, योग्यताओं और किस्मत पर निर्भर करता है। दुनिया किसी व्यक्ति को तब जानना शुरू करती है जब वह कुछ नया कर दिखाता है। तालियां तब बजती हैं, मैडल तब मिलते हैं जब कोई विजयी हो जाता है। जीत से पहले मेहनत है, अनुशासन है, संघर्ष है, उपेक्षा है, यहां तक कि अपमान भी है। यह परिवार और मां-बाप का सामूहिक उत्तरदायित्व है कि संघर्षरत बच्चे का मार्गदर्शन करें, उत्साह बढ़ाएं और आवश्यक सुविधाएं प्रदान करें। सफलता और असफलता समाज द्वारा गढ़े गए दो वयस्क शब्द हैं जो कई बार कई प्रतिभाशाली व्यक्तियों के जीवन में जहर घोल देते हैं। हम सब के साथ यही गड़बड़ है। असफलता को लेकर एक शिशु और एक वयस्क की प्रतिक्रियाओं में जमीन-आसमान का अंतर होता है। एक शिशु को असफलता से लज्जा नहीं आती, आत्मग्लानि नहीं होती, अपराध का बोध नहीं होता। चलना सीखने वाले बच्चे बार-बार गिरते भी हैं। साइकिल चलाना सीखते समय बच्चे कई बार लुढक़ते और चोट खाते हैं।

चलते समय या साइकिल चलाना सीखते समय बच्चे सफलता या असफलता के बारे में भी नहीं सोचते, परंतु जब वयस्कों को खुश करना महत्त्वपूर्ण बन जाता है तो सफलता और असफलता के बीच गहरी रेखा खिंच जाती है। हम बच्चों को स्कूल का काम न करने पर धमकाते हैं, नाराज हो जाने की धमकी देते हैं, असफल हो जाने का भय पैदा करते हैं। मां-बाप और अध्यापक मिलकर बच्चों में इस हद तक भय पैदा कर देते हैं कि भय से ग्रस्त बच्चा अपने मस्तिष्क की शक्तियों का विकास करने के बजाय उनका विनाश करता चलता है। भय, बुद्धि का दुश्मन है। वह हमारे दृष्टिकोण को, जीवन के प्रति उसकी सोच को प्रभावित करता है। इस सोच को दूसरा पहलू यह है कि जब तक कोई व्यक्ति सफल न हो जाए, हम उसकी लगन, मेहनत, संघर्ष आदि की कद्र नहीं करते और उसे सफल होने का वातावरण नहीं देते। खेती और बागबानी के उदाहरण से इसे समझा जा सकता है। यदि कोई पौधा किसी खास तरह के वातावरण में पनपता है तो हम उसे वैसा वातावरण देते हैं। बच्चों को फलने-फूलने और सफल होने के लिए जो सहिष्णु, सहयोगी और प्रेरणादायक वातावरण चाहिए वह वातावरण उपलब्ध करवाना परिवार, समाज और सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है। आशय यही है कि संघर्ष की महत्ता स्वीकारें, सफलता से पहले के संघर्ष का भी आदर करें और संघर्षरत लोगों पर पत्थर न फेंके बल्कि यदि किसी ने अज्ञानवश या ईर्ष्यावश पत्थर फेंके भी हों तो उनसे पुल बनाएं या पुल बनाना सिखाएं, इसी में हमारी, हमारे समाज की और हमारे देश की भलाई है।

दो हफ्ते में खत्म करें सडकों के ब्लैक स्पाट, सडक सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में गुरूवार को संपन्न सडक सुरक्षा समिति की बैठक में सतना जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से होकर गुजरने वाले सडक मार्ग एवं सतना शहर के सुव्यवस्थित यातायात के संबंध में चर्चा कर अनेक निर्णय लिये गये। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम सिटी राहुल सिलाडिया, एलआर जांगडे, डीएसपी ट्रैफिक्र संजय खरे, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, तहसीलदार सौरभ मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

सडक सुरक्षा समिति की बैठक में डीएसपी ट्रैफिक्र संजय खरे ने बताया कि पूरे सतना जिले में ग्रामीण क्षेत्रों के सडक मार्गों पर 22 दुर्घटना बहुल क्षेत्र और 4 ब्लैक स्पाट चिन्हित किये गये हैं। इसी प्रकार सतना शहर में सुगम यातायात के लिए ठेला, आटो सडकों पर अतिक्रमण और बेसमेंट पार्किंग समस्या के प्रमुख बिन्दुवार विस्तृत चर्चा कर निर्णय लिये गये।

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि सतना शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने शहर के स्पाट निर्धारित कर राजस्व, पुलिस और नगर निगम संयुक्त रूप से चरणबद्ध रूप से कार्यवाही प्रारंभ करे। इसके पहले स्थानीय नागरिकों का सहयोग लेकर अतिक्रमण हटाने के संबंध में संबंधितों को चेतावनी दे। बेसमेंट पार्किग के सदुपयोग के लिए संबंधित माल, हास्पिटल, औद्योगिक या व्यापारिक संस्थानों को प्रेरित करे। ऐसा नहीं करने पर संबंधितों को नोटिस देकर आवश्यक कार्यवाही करे। एसडीएम कार्यवाही का नेतृत्व करेंगे। जिले के विभिन्न मार्गों पर दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र में चेतावनी बोर्ड एव साइनेज लगाने तथा ब्लैक स्पाट को खत्म करने संबंधित सडक मार्ग एजेंसी को 2 सप्ताह का समय देने का निर्णय लिया गया। कलेक्टर ने कहा कि सेमरिया चौक में व्यवस्थित यातायात के लिए सडकों एवं किनारे पर आटोरिक्शा एवं हाथ ठेला के शिफ्टिंग के लिए नगर निगम टाउनहाल के समीप रिक्त भूमि पर अस्थाई व्यवस्था कराये। उन्होंने कहा कि नगर निगम का अतिक्रमा दस्ता शहर के विभिन्न मार्गों में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही निरंतर और सतत रूप से करे। कलेक्टर ने कहा कि सतना शहर के प्रमुख मार्गो के गड्ढे आदि भरने की कार्यवाही शीर्घ पूर्ण की जाये।

पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने कहा कि शहर के नो एन्ट्री क्षेत्र में साइनेज लगाये। सतना शहर से निकलने वाले डिवाइडर युक्त मार्गो पर अनावश्यक कट पाइंट को चिन्हित कर उन्हें बंद कराने की कार्यवाही भी की जाये। बेसमेंट पार्किग को व्यवस्थित संचालन और बडे प्रतिष्ठानों के सामने पार्किंग को व्यवस्थित रखने संचालकों से दो-दो गार्ड रखने की अपेक्षा की जाये। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ट्रैफिक्र पुलिस, नगर निगम और राजस्व अधिकारी एक बार यातायात के बाधक बाटल नेक स्थानों को चिन्हित करने और प्रस्तावित कार्यवाही के लिए संयुक्त भ्रमण निरीक्षण भी कर ले। वहां पर किये जाने वाले सुधारात्मक प्रस्ताव के बारे में भी समिति को अवगत कराये और कार्यवाही करे।

बस स्टैण्ड की षिफ्टिंग के लिए बस आनर्स से लिये सुझाव: सडक सुरक्षा समिति की बैठक में बस आनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों से सतना शहर के बस स्टैण्ड को नवनिर्मित आईएसबीटी बस स्टैण्ड में शिफ्ट किये जाने के संबंध में सुझाव भी लिये गये। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बताया कि सतना शहर के यातायात को व्यवस्थित करने एवं यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने रीवा रोड सतना-मैहर बायपास पर 31 करोड की लागत से सर्वसुविधा युक्त आईएसबीटी बस स्टैण्ड का निर्माण पूर्ण हो गया है। आईएसबीटी के लोकार्पण के पश्चात सतना शहर के सेमरिया चौक सिथत पुराने बस स्टैण्ड को सम्पूर्ण रूप से नवनिर्मित आईएसबीटी में शिफ्ट किया जायेगा।

पवित्र रिश्ते की अनोखी मिसाल, राज बहादुर सिंह ने सपत्नी लिया देहदान का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पति-पत्नी का रिश्ता ईश्वर बनता है यह एक अटूट रिश्ता है इस अटूट पवित्र रिश्ते की अनूठी मिसाल पेश करते हुए बिरला रोड निवासी स्व. अमर सिंह दाऊ साहब (स्वत्रंता सेनानी पो.रामस्थान) के पुत्र राजबहादुर सिंह ने महंत स्वामी खिम्यादास की प्रेरणा से प्रेरित होकर 24 सितंबर बुधवार को गुरुजी से आशीर्वाद प्राप्त कर सपत्नी जीवनकाल पश्चात देहदान का संकल्प लिया। सिंह परिवार के देहदान का संकल्प लेने पर स्वामी जी ने समाज को प्रेरणा देते हुए कहा निश्चित ही देहदान से समाज को अच्छे चिकित्सक और नेत्रोंहीनो को दृष्टि मिलती है।

आश्रम के सेवादारी अतुल दुबे ने जानकारी देते बताया है स्वामी जी ने देहदान की अलख ज्योति जगाने का बीड़ा उठाया है स्वामी जी के प्रेरणा से प्रेरित होकर अभी तक 125 लोगों ने जीवनकाल पश्चात देहदान का संकल्प लिया है। आश्रम के सेवादारी विनोद गेलानी ने बताया आश्रम द्वारा 12 देह मेडिकल कॉलेज सतना एवं रीवा को दी जा चुकी है।

राजबहादुर सिंह एवं रामलली सिंह को कुँवर मेडिकल एंड हेल्थकेयर पर भाई प्रह्लाद डॉ. देवेश अग्रवाल अतुल दुबे मनोहर प्रमाण पत्र देकर साधुवाद दिया। डॉ विनीत गुप्ता, डॉक्टर अर्पिता सिंह, डॉक्टर सौरभ गुप्ता, डॉक्टर अंशिका सिंह, राजमन सिंह, तेजभान रामवती सिंह पूर्व सरपंच ग्राम रामस्थान, उदय भान सिंह, इंद्र ज्ञान सिंह, उदय भान सिंह (कल्याण), विनोद सिंह, राजधर सिंह, अरविंद सिंह पप्पू, राम सिंह, महेंद्र सिंह, रावेंद्र सिंह, रामदेव पटेल, रामनारायण सिंह, पुत्र यादवेंद्र सिंह, पुत्रवधू प्रतिमा सिंह परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

चाकूबाजी का आरोपी गिरफ्तार, दुकान बंद करते समय युवक पर किया था हमला

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पुलिस ने चाकूबाजी के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। सिटी कोतवाली पुलिस ने सोहैल कुरैशी को अंधेरी पुलिया के पास से पकड़ा। आरोपी 18 सितंबर से फरार चल रहा था। टीआई रावेन्द्र द्विवेदी के अनुसार, 18 सितंबर की रात करीब 11 बजे की घटना है। मोहम्मद अरबाज अपनी दुकान बंद कर रहा था। इसी दौरान सोहैल कुरैशी और विशाल उर्फ दद्दा वहां पहुंचे। दोनों ने पुराने विवाद को लेकर अरबाज से गाली-गलौज की। इसके बाद लाठी-डंडों से मारपीट की और चाकू से हमला कर दिया।

मुखबिर की सूचना पर आरोपी पकड़ाया: हमले में अरबाज गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। 24 सितंबर को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सोहैल को गिरफ्तार किया। उसके पास से चाकू भी बरामद हुआ है।

पुलिस ने आरोपी पर धारा 25(बी) आर्म्स एक्ट के तहत भी मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, सोहैल कुरैशी आदतन अपराधी है और पहले भी कई अपराध कर चुका है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

सीवेज चेंबर में सफाईकर्मी की मौत, दो की हालत गंभीर

बिना सुरक्षा गड्ढे में उतरे थे, जहरीली गैस से बिगड़ी तबीयत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सीवर की सफाई कर रहे तीन कर्मचारी जहरीली गैस की चपेट में आ गए। एक की मौत हो गई जबकि दो की हालत गंभीर है। हादसा गुरुवार दोपहर कृपालपुर इलाके में त्रिवेणी पैलेस के पास हुआ। मौके पर मौजूद लोगों ने एम्बुलेंस से ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर रस्सी की मदद से तीनों कर्मचारियों को बाहर निकाला। अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने एक कर्मचारी को मृत घोषित कर दिया। दो का इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि तीनों कर्मचारी बिना सुरक्षा उपकरणों के सीवर में काम करने उतरे थे।

चार दिन में दूसरा हादसा: सतना में सीवर चेंबर में जहरीली गैस से कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ने का ये दूसरा मामला है। इससे पहले 22 सितंबर को क्रिस्तुकुला स्कूल के पास पीसी स्नेहिल कंपनी ने दो कर्मचारियों से सीवर की मैनुअली सफाई कराई थी। काम के दौरान दोनों की तबीयत बिगड़ गई थी। गुरुवार को एक बार फिर कृपालपुर में ऐन विराट कंपनी ने बिना सुरक्षा उपकरणों के तीन लोगों को सीवर में उतार दिया।

7 साल के बच्चे ने सबसे पहले दी जानकारी: सफाई कर्मचारियों के सीवर लाइन के चेंबर में फंसे होने की जानकारी स्थानीय निवासी सौरभ सिंह को एक 7 साल के बच्चे ने दी। बच्चे को सीवर चेंबर से कुछ आवाजें सुनाई दीं, तो पास में मौजूद सौरभ को उसने बताया। सौरभ सिंह ने जब चेंबर के पास जाकर देखा, तो अंदर किसी की मौजूदगी समझ आई। इस बीच मौके से दिवित हॉस्पिटल की एम्बुलेंस जा रही थी, उसे रोककर उससे ऑक्सीजन सिलेंडर लिया गया। फिर रस्सी के सहारे सौरभ सिंह चेंबर में उतरे और एक-एक कर सभी को बाहर निकाला गया। 2 कर्मचारियों की तो जान बच गई, लेकिन तीसरे की मौत हो चुकी थी। सौरभ सिंह की इस बहादुरी की अधिकारी भी तारीफ कर रहे हैं।

22 सितंबर को दो कर्मचारी बेहोश हुए थे: 22 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे महादेव रोड पर क्रिस्तुकुला स्कूल के पास आदर्श शुक्ला और किशन वर्मा सीवर लाइन की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान जहरीली गैस के कारण दोनों बेहोश होकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत अधिकारियों को सूचना दी।

डब्बू कुशवाहा का नागौद में जोरदार स्वागत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नागौद के मिडवे होटल में जिला कांग्रेस कमेटी सतना द्वारा आयोजित ब्लाक कांग्रेस कमेटी नागौद कार्यकर्ता बैठक एवं वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष और विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा, जिन्हें डब्बू भैया के नाम से जाना जाता है, का नागौद में प्रथम आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया। सिंहपुर चौराहे पर युवा साथियों ने ढोल-नगाड़े, अजगर माला और पटाखे फोड़कर उनका स्वागत किया। इस दौरान शहर में गूंज रहा था, डब्बू नहीं, ये आंधी है, विंध्य का दूसरा गांधी है।

मिडवे होटल में आयोजित बैठक में डब्बू भैया ने कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एसआईआर पर 25 हजार दस्तखत और तहसील स्तर पर एक लाख दस्तखत करवाने का लक्ष्य रखा। उन्होंने कहा कि वे सभी के निर्देशों और सुझाए मार्ग पर चलेंगे। सभी पोलिंग और मंडलम का गठन 5 तारीख से पहले करना है।

इस बैठक में विधानसभा प्रत्याशी डॉक्टर रश्मि सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष रमाकांत मिश्रा, वीरेंद्र सिंह, प्रदेश सचिव लीगल सेल जिला अध्यक्ष एडवोकेट मुखतार अहमद सिद्दीकी, जिला कांग्रेस महामंत्री विनीत सिंह बिन्नु, गजेंद्र सिंह गुड्डू, रमेश द्विवेदी, जिला पंचायत सदस्य विमला कोल, कांग्रेस नेता नागेश मिश्रा, कांग्रेस मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र रजक, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष मोहम्मद हामिद, भूपेंद्र सिंह, अशोक सिंह खमरेही, महेंद्र सिंह टिकरी, जितेंद्र सिंह पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस सचिव संध्या लोधी उजनेही, मोनू सिंह लोधी, अंबर कुशवाहा, जाहिद खान, अतुल नामदेव, अप्पू बारी, अच्छेलाल कुशवाहा, आनंद रजक, हर्ष रजक, मनीष रजक, राजभान रजक, मोहित रजक सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

राघव प्रयाग घाट-चित्रकूट में अन्तरराष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव प्रारंभ, 30 सितंबर तक चलेगें श्रीराम कथा के विभिन्न प्रसंग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय संस्कृति में लीला केवल धार्मिक या पौराणिक कथा का मंचन नहीं, बल्कि लोकमानस का जीवंत उत्सव है। इसी प्रयास के साथ मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् नई दिल्ली एवं जिला प्रशासन सतना के सहयोग से 24 से 30 सितम्बर, तक प्रतिदिन सायं 7 बजे से अन्तर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव का आयोजन श्रीराघव प्रयाग घाट चित्रकूट में आयोजन किया जा रहा है। इस सात दिवसीय प्रतिष्ठित आयोजन में सभी सादर आमंत्रित हैं। प्रवेश निःशुल्क है।

समारोह के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीसनकादिक महाराज, श्रीरामहृदय दास महाराज, डॉ मदनगोपाल दास, श्रीसीताशरण महाराज, दिव्यजीवन महाराज, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, अध्यक्ष नगर परिषद चित्रकूट साधना पटेल, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रथम दिवस सांस्कृतिक कला संगम नई दिल्ली के कलाकारों द्वारा लीला प्रस्तुति दी गई। उन्होंने नारद मोह प्रसंग प्रस्तुति किया। यह प्रसंग पौराणिक कथा है जिसमें भगवान विष्णु अपनी माया से देवर्षि नारद के आध्यात्मिक अभिमान को चूर-चूर करते हैं। इस कथा के अनुसार नारद एक राजा के स्वयंवर में विश्वमोहिनी के वरण के लिए विष्णुजी से उनका हरि स्वरूप मांग लेते हैं। विष्णुजी उन्हें बंदर जैसा वानर रूप प्रदान करते हैं, जिससे नारद जी का बहुत अपमान होता है। इसी प्रकार 25 सितम्बर को श्रीरामजन्म, विद्या अभ्यास, ताड़का वध, अहल्या उद्धार, पुष्प वाटिका, सीता स्वयंवर, लक्ष्मण-परशुराम संवाद, 26 सितम्बर को विदेशी लीला-इण्डोनेशिया, श्रीराम विवाह, सीता विदाई, मंथरा कैकेई संवाद, दशरथ-कैकेई संवाद, श्रीराम वनवास, केवट प्रसंग, भरत मिलाप, 27 सितम्बर को विदेशी लीला-वियतनाम अनुसुइया उपदेश, पंचवटी प्रसंग, सीता हरण, जटायु वध, श्रीराम प्रतिज्ञा, 28 सितम्बर को शबरी प्रसंग, हनुमान मिलन, बालि वध, लंका दहन, विभीषण शरणागत, लक्ष्मण मूर्छा, रावण-अंगद संवाद, कुंभकरण वध, 29 सितम्बर को विदेशी लीला-मलेशिया मेघनाद वध, श्रीराम-लक्ष्मण हरण तथा 30 सितम्बर को हनुमान का पाताललोक मे प्रवेश, मकरध्वज संवाद, अहिरावण वध, रावण का उपदेश, श्रीराम-रावण युद्ध, रावण वध, श्रीराम राज्याभिषेक की प्रस्तुतियां दी जायेगी।

आभा आईडी के लिए लाइन में खड़ी युवती बेहोश, हालत बिगड़ी; आईसीयू में कराया भर्ती

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला अस्पताल में ब्लड टेस्ट के लिए आभा आईडी अनिवार्य किए जाने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को श्रीनगर रैगांव की 18 वर्षीय नीता अहिरवार आभा आईडी बनवाने के लिए लाइन में खड़ी थी। दोपहर एक बजे लगभग 4 घंटे के इंतजार के बाद उसे पेट में तेज दर्द हुआ और वह बेहोश होकर गिर पड़ी।

परिजन उसे आईसीयू ले गए: मौके पर मौजूद डॉ. सुधीर सिंह ने तुरंत नीता को देखा और भर्ती कराने की सलाह दी। परिजन उसे आईसीयू ले गए, जहां डॉक्टर यश मिश्रा ने उसका इलाज शुरू किया। नीता का बीपी काफी कम था। कुछ देर बाद उसकी हालत सामान्य हुई। नीता के भाई मिथुन के अनुसार, 23 सितंबर को भी वह आभा आईडी के लिए 3 घंटे लाइन में खड़ी रही थी।

क्या है आभा आईडी और कैसे बनती है: आभा आईडी 14 अंकों की एक विशेष पहचान संख्या है, जो आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत बनाई जा रही है। इस आईडी में मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी सभी जानकारी डिजिटल रूप में संग्रहित होती है। इससे मरीजों को हायर सेंटर रेफर होने पर फाइल और दस्तावेज ले जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। लोग एमपी ऑनलाइन, सीएससी सेंटरों के अलावा घर बैठे भी आभा आईडी बना सकते हैं। अगस्त माह से प्रदेश में ब्लड टेस्ट के लिए आभा आईडी अनिवार्य कर दी गई है।

आभा आईडी (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) आप अस्पताल में सीधे पंजीकरण के दौरान या कियोस्क पर भी बनवा सकते हैं। इसके लिए आपको ओपीडी रजिस्ट्रेशन एरिया में दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके अपना नंबर दर्ज करना होगा या फिर वहां लगे कियोस्क से अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा महापुराण शुरू, विशाल कलश यात्रा का हुआ भव्य स्वागत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पुनः निर्मित बाबा मेहरशाह दरबार साहिब जी के उद्घाटन समारोह के तीसरे दिन महंत स्वामी पुरषोत्तम दास जी के मार्गदर्शन में विशाल कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में संत-महात्माओं और ब्राह्मणों के साथ सैकड़ों महिलाएं शामिल हुईं।

बाबा मेहरशाह दरबार के प्रमुख प्रवक्ता राजकुमार बजाज ने बताया कि बाबा मेहरशाह दरबार साहिब के उद्घाटन समारोह के अवसर पर संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा महापुराण 24 से 30 सितंबर तक निरंतर चलेगी। श्रीमद् भागवत कथा के उपलक्ष्य में आज मनोहर धाम से विशाल कलश यात्रा निकाली गई, जो सिंधी कॉलोनी का भ्रमण करने के बाद बाबा मेहरशाह दरबार साहिब में समाप्त हुई। कलश यात्रा में शामिल संत-महात्माओं का माल्यार्पण कर एवं कलश उठाई महिलाओं का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

कलश यात्रा में भगवान भोलेनाथ, भगवान श्री राधे-कृष्ण और बजरंगबली हनुमान जी की झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। इस भव्य आयोजन ने क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और एकता का संचार किया है।

नामावली में मतदाताओं के विवरण की मैपिंग के संबंध में स्टैण्डिंग कमेटी की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्रों में फोटो निर्वाचक नामावली 2025 के अंतिम प्रकाशन के विवरण को गहन पुनरीक्षण 2003 के मतदाताओं की सूची में अंकित वितरण से मिलान/मैपिंग का कार्य सतना जिले के समस्त विधानसभा के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा बीएलओ के माध्यम से कराया जा रहा है। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मैपिंग कार्य की विस्तृत जानकारी देने गुरूवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्टैण्डिग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी विकास सिंह, एसडीएम एलआर जांगडे, राजनैतिक दलों की ओर से साबिर खान, विनोद अग्रवाल, डॉ. अमित सिंह, रामकुमार विश्वकर्मा, आरसी विश्वकर्मा, इलेक्शन सुपरवाइजर द्वारिकेन्द्र सिंह, केबी त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची 2025 के गहन पुनरीक्षण 2023 के मतदाताओं के विवरण से मिलान संबंधी जारी निर्देशों की जानकारी में बताया गया कि एनेक्सर वन में वर्ष 2025 एवं वर्ष 2003 की मतदाता सूची में अंकित जानकारी मिलान कर भरी जायेगी। जिनमें विधानसभा क्रमांक, भाग संख्या, सरल क्रमांक, इपिक नम्बर अंकित होंगे। यह डाटा प्रत्येक मतदान केन्द्रवार विधानसभा स्तर पर बनेगा। जो मतदाता 2025 की मतदाता सूची में है। परन्तु 2003 की मतदाता सूची में नहीं है। उनकी जानकारी इस प्रपत्र में नहीं दी जायेगी। एनेक्सर 2 में जितने मतदाता 2025 और 2003 में मैच हुए है। उनके 2025 की मतदाता सूची में उपलब्ध परिवार के सदस्यों का विवरण एक्सेल शीट में बनाया जायेगा। बूथ लेवल अभिकर्ता की नियुक्ति के लिए जारी निर्देशों में बताया गया कि बीएलए की नियुक्ति के समय फोटो और मोबाइल नम्बर भी शामिल किया जायेगा। सभी राजनैतिक दलों से अपेक्षा की गई कि जिले में समस्त विधानसभा के प्रत्येक मतदान केन्द्र में एक-एक बीएलए की नियुक्ति कर सूची जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराये ताकि उन्हें पुनरीक्षण कार्य का प्रशिक्षण दिया जाये।

स्टैण्डिंग कमेटी की बैठक में बताया गया कि सतना जिले की 5 विधानसभा क्षेत्र चित्रकूट, रैगांव, सतना, नागौद और रामपुर बघेलान में आयोग द्वारा अनुमोदित 1376 मतदान केन्द्र है। आयोग के निर्देशानुसार मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की संख्या 1500 से घटाकर अधिकतम 1200 किये जाने के अनुपालन में 146 नवीन मतदान केन्द्र और प्रस्तावित किये गये हैं। आयोग के अनुमोदन पश्चात सतना जिले में कुल मतदान केन्द्रों की संख्या 1522 हो जायेगी।

नर्मदापुरम–बुधनी रोड पर रोक के बावजूद गुजर रहे भारी वाहन

सलकनपुर जा रहे श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए लगाया है प्रतिबंध

नर्मदापुरम, एजेंसी। नवरात्रि पर सलकनपुर धाम मां विजयासन के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु दूर-दराज के स्थानों से पैदल चल कर पहुंच रहे हैं। 50, 100, 150 किलोमीटर दूर से भी भक्त सलकनपुर की यात्रा कर रहे हैं, जिससे बुधनी क्षेत्र से आने वाले मुख्य मार्गों पर श्रद्धालुओं की कतारें लगातार बनी हुई हैं।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने नगरीय क्षेत्र एवं सलकनपुर धाम के मार्गों पर 2 अक्टूबर तक भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, रसूलिया होते हुए बुधनी और नर्मदापुरम की ओर कई भारी वाहन गुजर रहे हैं जिससे सुरक्षा खतरे में है।

भारी वाहन प्रतिबंध के बावजूद नियमों की अवहेलना

प्रशासन ने भारी वाहन प्रतिबंध के लिए फ्लेक्स भी लगाया है। लेकिन वाहनों को रोकने के लिए पर्याप्त स्टाफ की कमी के कारण कई डंपर, ट्रक और ट्राले तेज रफ्तार से गुजर रहे हैं, जो यात्रियों के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं।

डंपर ड्राइवर फोरलेन टैक्स बचाने के लिए पुराने हाईवे का इस्तेमाल कर रहे

बैतूल-औबेदुल्लागंज हाईवे के बघवाड़ा टोल प्लाजा पर टैक्स बचाने के लिए कई ड्राइवर फोरलेन के बजाय पुराने हाईवे 69 के रास्ते से बुधनी इटारसी पथरौटा के बीच अपनी गाड़ियां ले जा रहे हैं। इससे एक्सीडेंट की आशंका बढ़ गई है।

पुलिस अधीक्षक का आदेश

अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी राजीव रंजन पांडे के आदेश में बताया गया है कि नवरात्रि और दशहरा पर्व के दौरान भारी संख्या में श्रद्धालु पैदल यात्रा करते हैं। तेज गति से भारी वाहनों के गुजरने से दुर्घटना के खतरे और असंतोष की स्थिति बनती है। इसको रोकने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत नर्मदापुरम जिले के नगरीय क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश को 2 अक्टूबर तक प्रतिबंधित किया गया है।

कड़ी कार्रवाई की जाएगी

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सार्वजनिक परिवहन, सरकारी वाहन, अग्निशमन यंत्र, वाटर टैंकर, एम्बुलेंस जैसी आवश्यक सेवाओं को इस प्रतिबंध से छूट मिलेगी। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन की अपील

प्रशासन ने नागरिकों और वाहन चालकों से शांतिपूर्ण और सुरक्षित पर्व मनाने के लिए नियमों का पालन करने की अपील की है।

नर्मदा बैकवाटर से घिरा कुकरा गांव

बड़वानी, एजेंसी। बड़वानी में सरदार सरोवर बांध परियोजना के कारण नर्मदा नदी का बैकवाटर 137.20 मीटर तक पहुंच गया है। इससे राजघाट का कुकरा गांव टापू चारों तरफ से पानी से घिर गया है। टापू पर रहने वाले लोगों ने अपने खेतों तक पहुंचने के लिए एक अनूठा समाधान निकाला है। उन्होंने टापू से जागीरदारपुरा के नवीन घाट तक लगभग 80-90 फीट लंबा रस्सा पुल बना लिया है। इस पुल को बनाने में ग्रामीणों ने पिछले 4-5 दिनों से मेहनत की है। तो कुछ किसानों ने खेतों तक जाने के लिए जुगाड की नाव बनाई है। वर्तमान में टापू पर 4-5 परिवार रह रहे हैं। प्रशासन ने बड़वानी की ओर आने-जाने के लिए नाव की सुविधा दी है।

रेल कर्मचारियों को दीपावली गिफ्ट

घोषणा होते ही रात तक राशि रिलीज : बोनस देने में भारतीय रेलवे में रतलाम रेल मंडल सबसे आगे

रतलाम, एजेंसी। दिल्ली में केंद्रीय मंत्रीमंडल ने रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के उत्पादकता से जुड़े बोनस की घोषणा बुधवार दोपहर की। घोषणा को अमल में लाते हुए वेस्टर्न रेलवे के रतलाम रेल मंडल ने रात तक रेल कर्मचारियों के खातों में बोनस की राशि रिलीज कर दी। राशि रिलीज करने में भारतीय रेलवे में रतलाम रेल मंडल सबसे आगे रहा है।

बता दे कि पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रीमंडल ने बुधवार को 10 लाख 91 हजार 146 रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के उत्पादकता से जुड़े बोनस (पीएलबी) के रूप में 1865 करोड़ 68 लाख रुपए के भुगतान को स्वीकृति दी। स्वीकृति मिलते ही रेल कर्मचारियों में दशहरे व दीपावली के पूर्व बोनस राशि मिलने की उम्मीद जाग गई।

स्वीकृति के बाद रतलाम रेल मंडल के अधिकारी रेल कर्मचारियों के खाते में बोनस की

राशि पहुंचाने के लिए अपने काम में जुट गए। रात 9 बजे तक बोनस की राशि रेल कर्मचारियों के खाते में रिलीज कर दी।

साढ़े 13 हजार कर्मचारी

रतलाम रेल मंडल में रात तक 12292 कर्मचारियों को 21 करोड़ 55 लाख 84 हजार 623 रुपए का बोनस बंट चुका है। प्रत्येक पात्र रेल कर्मचारी को बोनस की राशि 17 हजार 951 मिलेगी। हर साल दुर्गा पूजा, दशहरा की छुट्टियों के पहले रेलवे बोनस जारी करती है।

बाजार के लिए अच्छी खबर

समय से पहले बोनस मिलने पर इसका असर त्योहार के समय बाजार में भी देखने को मिलेगा। यह बोनस न केवल कर्मचारियों के लिए राहत देगा बल्कि बाजार के लिए भी अच्छी खबर है। दुकानदार और कारोबारी दीवाली के दौरान ज्यादा डिमांड की उम्मीद कर रहे हैं, खासकर हाल ही में जीएसटी में की गई कटौती के बाद उनकी उम्मीद बढ़ गई है। रतलाम रेल मंडल डीआरएम अश्वनी कुमार ने बताया केंद्रीय मंत्रीमंडल द्वारा बोनस की स्वीकृति दी है। रात तक हमने राशि रिलीज कर दी है। राशि रिलीज करने में रतलाम रेल मंडल सबसे आगे रहा है।

सविता हत्याकांड- बस से इंदौर भाग रहे आरोपी को पकड़ा

सुपारी लेकर महिला को 40 बार चाकू मारे थे, पति समेत तीन आरोपी जेल गए

खंडवा, एजेंसी। रविवार की रात हुए जघन्य हत्याकांड के मामले में चौथा आरोपी भी पुलिस ने पकड़ लिया। वह दो दिन से फरार चल रहा था। वह बस में बैठकर इंदौर भाग रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस ने रास्ते में बस रुकवाई और उसे हिरासत में लिया। उसके कब्जे से सुपारी के 10 हजार रूपए भी बरामद हुए है।

थाना पदमनगर टीआई प्रवीण आर्य के मुताबिक, आरोपी राजेंद्र यादव वारदात के बाद से अपने गांव जामलीकलां में ही एक रिश्तेदार के घर छिपा हुआ था। उसे पकड़ाने का डर था, इसलिए वहां से भागने के लिए वह खंडवा आया और वहां से इंदौर के लिए बस में बैठ गया।

बस स्टैंड से आगे बढ़ते ही इंदौर नाके पर बस को रुकवाया और आरोपी राजेंद्र को उतारा। उसके कब्जे से सुपारी के 10 हजार रूपए भी बरामद किए गए हैं।

इधर, सविता उर्फ पप्पी के हत्याकांड में शामिल उसके पति महेंद्र पटेल, उसके दो दोस्त हेमंत उर्फ कान्हा और आर्यन यादव को बुधवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से देर शाम को उन्हें जेल भेज दिया गया हैं। बुधवार को गिरफ्तार हुए चौथे आरोपी राजेंद्र यादव से

अलग से पूछताछ की जाएगी।

पति ने दूसरी कहानी बताई थी, फिर पकड़ा गया: थाना पदमनगर क्षेत्र के ग्राम डिगरीस में रविवार देर रात 11 बजे के करीब मेन रास्ते पर एक महिला की हत्या कर दी गई थी। वारदात में शामिल महिला के पति ने फिल्मी ड्रामा कर लूट की कहानी बताई। फिर कहने लगा कि पत्नी ने रास्ते में बैठे लोगों को गालियां दी, जिससे कि वो लोग भड़क गए और उन्होंने उसे मार डाला।

पुलिस को शुरूआती जांच में ही पति पर शक हुआ और उसका झूठ पकड़ा गया। 24 घंटे के भीतर पुलिस ने आरोपी पति और उसके दो दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया। वारदात में कुल चार आरोपी शामिल थे।

बच्चों की शिक्षा का किया मूल्यांकन

रायसेन, एजेंसी। शहर के वार्ड 8 स्थित शासकीय सांदीपनी माध्यमिक शाला में बुधवार को बाल वाटिका मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में नर्सरी, केजी–1 और केजी–2 के कुल 55 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मेले का मुख्य उद्देश्य पिछले 2–3 महीनों में बच्चों को दी गई शिक्षा का मूल्यांकन करना था। इसके लिए 6 अलग–अलग काउंटर बनाए गए। पहले काउंटर पर बच्चों का पंजीयन किया गया। अन्य काउंटरों पर छोटी मांसपेशियों, बड़ी मांसपेशियों की क्षमता, सामाजिक ज्ञान, सामाजिक समरसता और भौतिक ज्ञान का आकलन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ उनके अभिभावक भी मौजूद रहे। जिले की टीम से एपीसी अशोक पांडे और विनीत दीक्षित ने मेले का निरीक्षण किया। राज्य शिक्षा केंद्र की टीम ने भी कार्यक्रम की बारीकी से मॉनिटरिंग की। स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक सूर्य प्रकाश सक्सेना सहित समस्त स्टाफ कार्यक्रम में उपस्थित रहा।

लोगों ने मां दुर्गा को ज्ञापन सौंपा

सीहोर, एजेंसी। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास बन रहे रेलवे ओवरब्रिज को लेकर विवाद गहरा गया है। स्थानीय निवासियों ने अधिकारियों से गुहार लगाने के बाद अब मां दुर्गा के समक्ष अपनी व्यथा रखी है। कॉलोनी के निवासियों का कहना है कि ठेकेदार ब्रिज के एक तरफ ही सर्विस लेन बनाना चाहता है। इससे आवागमन में परेशानी होगी और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ेगा। लोगों ने इस मुद्दे को लेकर कई बार जिला अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। सद्बुद्धि दिलाने के लिए मां दुर्गा को दिया ज्ञापन निवासियों ने मां दुर्गा मंदिर में पंडित जी को ज्ञापन सौंपा है। उनकी मांग है कि ब्रिज के दोनों तरफ एप्रोच रोड बनाई जाए। स्थानीय लोगों ने अब कलेक्टर को सूचित करने के साथ हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की योजना बनाई है। ओवरब्रिज की डिजाइन को लेकर शुरू से ही सवाल उठते रहे हैं। निर्माण एजेंसी और रेल अधिकारियों की मनमानी से आम जनता परेशान है। लोगों का मानना है कि दोनों तरफ एप्रोच रोड न बनने से क्षेत्र में दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाएगा।

नवनिर्मित मकान में करंट से युवक की मौत

छतरपुर, एजेंसी। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में राजनंदनी पुरम सटई रोड पर एक दुखद घटना सामने आई। नवनिर्मित मकान में पानी की टंकी भरते समय 35 वर्षीय दुर्गेश शुक्ला की करंट लगने से मौत हो गई। दुर्गेश अपने नए मकान की दूसरी मंजिल पर पानी की टंकी भरने के लिए मोटर चला रहे थे। इस दौरान वह करंट की चपेट में आ गए और पानी की टंकी में डूब गए। करीब दो घंटे बाद उनके पिता को टंकी में उनका शव दिखाई दिया। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस को सूचना दी गई। मृतक के मामा जीके सांडे ने बताया कि दुर्गेश के पिता प्रेमनारायण शुक्ला भोपाल में पोस्ट अधीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। दुर्गेश ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। मात्र दो माह पहले ही उनकी शादी हुई थी और घर का निर्माण कार्य चल रहा था।

चोरी की बोलेरो बरामद-दो आरोपी गिरफ्तार, घटना में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट डिजायर भी जब्त

राजगढ़, एजेंसी। जिले के खिलचीपुर में पुलिस ने चोरी की गई बोलेरो कार बरामद कर ली है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। चोरी में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट डिजायर कार भी पुलिस ने जब्त की है। घटना 31 अगस्त 2025 की है। मंगल सिटी कॉलोनी निवासी शकील खान ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

उन्होंने बताया कि सुबह 4ः18 बजे उनके घर के सामने खड़ी बोलेरो कार चोरी हो गई। चोरी की गई कार 2005 मॉडल की सिल्वर-गोल्ड रंग की है। कार का नंबर स्क्र11 ष्ठ 4200 है। पेशे से पेंटर शकील खान की कार की कीमत करीब 80 हजार रुपए है।

पुलिस ने जांच शुरू की, मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने जीरापुर के नवेद और बटावदा के श्यामसुंदर को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने बोलेरो कार आगर के पास छोड़ दी थी। चोरी में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट डिजायर कार भी बरामद कर ली गई है। स्विफ्ट डिजायर की कीमत लगभग 4 लाख रुपये है।

दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है। कुछ आरोपी अभी भी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उमाशंकर मुकाती, सउनि. पवन कुमार, प्रआर. समंदर सिंह, आर. राजीव गुर्जर और साइबर सेल के आर. अशोक राहोरिया की टीम शामिल थी। पुलिस ने बताया कि जिले में चोरी की घटनाओं पर लगातार नजर रखी जा रही है।

घर में ब्लैक कोबरा ने महिला को डसा

रैक से सामान निकालते समय दो बार किया हमला

पन्ना, एजेंसी। पन्ना के रक्सेहा गांव में एक दुखद घटना सामने आई। घर के अंदर बने रैक से सामान निकालते समय 59 वर्षीय नमिता मंडल को ब्लैक कोबरा ने डस लिया। घटना 24 सितंबर की रात की है।

नमिता के पुत्र प्रकाश मंडल के अनुसार, वह चक्की में गेहूं पिसवाने गया था। इसी दौरान उनकी मां घर में रैक से सामान निकाल रही थीं। रैक में छिपा करीब 3 फीट लंबा ब्लैक कोबरा था। सांप ने नमिता के हाथ की दो उंगलियों के बीच डस लिया। उन्हें लगा कि कोई चीज हाथ में चुभ गई है। इसी दौरान सांप ने दोबारा हमला कर दिया। जब सामान हटाकर देखा तो वहां ब्लैक कोबरा था।

परिजन तुरंत नमिता को जिला अस्पताल ले गए। वन विभाग को भी सूचना दी गई। स्नेक एक्सपर्ट ने मौके पर पहुंचकर ब्लैक कोबरा को पकड़ लिया। दो बार सांप के काटने से नमिता के शरीर में जहर तेजी से फैल गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज रीवा रेफर कर दिया। परिजन उन्हें ले जाने की तैयारी कर ही रहे थे कि उनकी मृत्यु हो गई।

पुलिस ने 25 सितंबर को दोपहर साढ़े 12 बजे पंचनामा कार्यवाही की। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद गांव में सहम का माहौल है।

देर रात तक महिलाओं व युवतियों ने किया गरबा नृत्य

खरगोन, एजेंसी। शारदीय नवरात्रि के साथ शहर में गरबों की धूम शुरू हो गई है। अलग-अलग पंडालों में महाआरती के बाद देर रात तक गरबे हो रहे हैं। ज्योति नगर के पंडाल में तिरुपति बालाजी मंदिर की थीम पर बने पंडाल में दुधिया रोशनी के बीच बालिकाओं व महिलाओं द्वारा दी जा रही गरबों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मानो माता स्वयं झूले पर बैठकर हर प्रस्तुति का आनंद ले रही हो। बड़ी संख्या में शहरवासी दर्शन और गरबा प्रस्तुतियों का लुत्फ उठाने पहुंच रहे हैं।

महिला पर धारदार हथियार से हमला कर छत से फेंका, मौत, रतलाम में पोते–पोती के साथ सो रही थी ; जांच बचाकर खेत में भागी पोती

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के रावटी थाना क्षेत्र के गांव भीमपुरा में एक 48 वर्षीय महिला की हत्या कर दी गई। आरोपियों ने महिला के ऊपर पहले सिर पर हथियार से हमला किया। इसके बाद छत से नीचे फेंक दिया। जिससे महिला की मौत हो गई। गुरुवार सुबह आसपास वालों को पता चला। तब पुलिस को सूचना दी। मृतिका का नाम नानी बाई उर्फ नर्मदा पति कैलाश भूरिया है। घटनाक्रम देर रात करीब एक बजे हुआ। महिला अपने पोते और पोतियों के साथ घर की छत पर सो रही थी। इस दौरान दो अज्ञात लोग घर के गलियारे से छत पर चढ़े। इसके बाद महिला के दाहिने तरफ कनपटी पर किसी हथियार से हमला किया। उसके बाद उसे छत से नीचे फेंक दिया। इस दौरान दोनों बदमाशों ने साथ में सो रही 10 साल की पोती लक्ष्मी का भी गला दबाने का प्रयास किया। लेकिन, वह वहां से भाग कर पास के खेत में जाकर छिप गई।गुरुवार सुबह उसने घर के पास रहने वाली मृतिका की जेठानी धन्नाबाई को बताया। धन्नाबाई ने वहां से गुजर रहे गांव के हरिनारायण को बताया। हरिनारायण गांव के सरपंच लालसिंह भूरिया को सूचना दी। वह महिला के घर पहुंचे। महिला मृत अवस्था में नीचे गिरी थी।

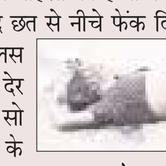

बालिका रूप में रानगिर खेलने आती थीं मां हरसिद्धि

बेल वृक्ष के नीचे मिली थी स्वयंभू प्रतिमा, दिन में तीन रूपों में देती हैं दर्शन

सागर, एजेंसी। सागर जिले से करीब 46 किलोमीटर दूर रानगिर धाम में स्वयंभू मां हरसिद्धि की प्रतिमा विराजी है। पहाड़ों के बीच स्थित यह मंदिर सिद्धपीठ के रूप में प्रसिद्ध है। मां हरसिद्धि यहां दिन में तीन अलग-अलग रूपों में भक्तों को दर्शन देती हैं सुबह कन्या रूप, दोपहर में युवा रूप और शाम को वृद्ध रूप। ये स्वरूप सूर्य, चंद्र व अग्नि शक्ति के प्रकाश, तेज और अमृत का संकेत हैं।

शारदीय नवरात्र में रानगिर धाम में नौ दिनों तक श्रद्धालुओं की निरंतर भीड़ रहती है। बुंदेलखंड और आसपास के जिलों से भक्त माता के दर्शन करने बड़े उत्साह से पहुंचते हैं। आम धारणा है कि मां हरसिद्धि के दर्शन से भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है। इस वर्ष मंदिर व परिसर का सौंदर्यीकरण किया गया है, गर्भग्रह में विशाल द्वार स्थापित हुआ है।

किवदंतियांः कन्या रूप और सती की रान

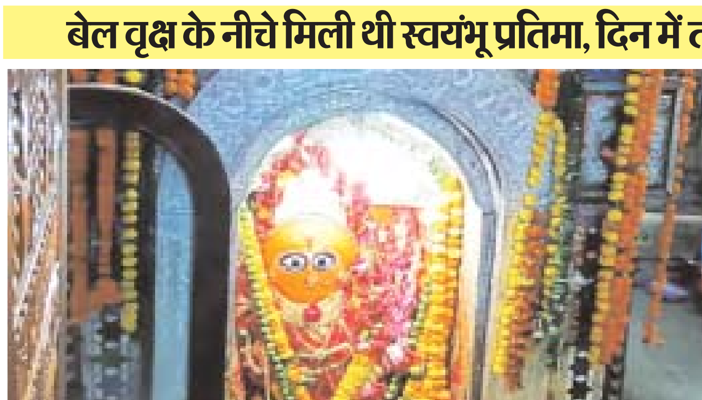

मंदिर को लेकर कई मान्यताएं हैं। पुजारी बताते हैं कि पहले बूढ़ी रानगिर की नदी पार माता कन्याओं के साथ खेलने आती थीं और बच्चियों को चांदी का सिक्का देती थीं। एक दिन गांववालों को स्वप्न में देवी ने स्थान परिवर्तन की बात कही, जिसके बाद माता की प्रतिमा बेल वृक्ष के नीचे रानगिर में मिली। प्रतिमा को आगे ले जाने का प्रयास असफल होने पर यहीं मंदिर की स्थापना हो गई।

दूसरी किवदंती के अनुसार, रानगिर उन 51 शक्ति पीठों में है, जहां माता सती की रान (जांघ) गिरी थी। इसी वजह से क्षेत्र का नाम रानगिर पड़ा। ऐसी भी मान्यता है कि पहाड़ी कंदराओं में रावण ने तपस्या की थी, जिससे पहले रावणगिरी नाम से यह स्थान जाना जाता था।

पीढ़ियों से दुबे परिवार कर रहा माता की सेवा

पंडित आनंद दुबे के अनुसार, उनका परिवार 10 पीढ़ियों से रानगिर माता मंदिर की सेवा में लगा है। प्रारंभ में माता बूढ़ी रानगिर में विराजी थीं, बाद में मंदिर निर्माण हुआ। आज भी नदी पार बूढ़ी रानगिर में माता का एक और मंदिर है। पूर्वजों को माता ने स्वप्न में पूजा का निर्देश दिया था।

रानगिर पहुंचने के मार्ग और सुविधाएं

देहार नदी के किनारे रानगिर धाम पहुंचने के लिए सागर से दो मार्ग हैं- सागर-नरसिंहपुर नेशनल हाईवे पर सुरखी से बाएं 8 किलोमीटर अंदर। सागर-रहली मार्ग पर पांचमील से 10 किलोमीटर दाईं ओर।

मेले के दौरान सागर, रहली, गौरझामर, देवरी आदि जगहों से विशेष बसें और निजी वाहन लगातार उपलब्ध रहते हैं। दोनों ओर से अच्छी सड़कें हैं, जिससे श्रद्धालु आसानी से मंदिर पहुंच सकते हैं।

बेशर्मी की हद पार! पाकिस्तानी समर्थकों ने सस्पेंड करवाया क्रिकेटर अभिषेक शर्मा का X प्रोफाइल

नई दिल्ली । एशिया कप 2025 में भारतीय टीम से हारने के बाद पाकिस्तान पूरी तरह से बौखला गया है। मैच में मिली हार के बाद पाकिस्तानी समर्थकों ने सोशल मीडिया पर अभिषेक शर्मा के खिलाफ एक असामान्य और विवादित कदम उठाया है। एक्स यूजर्स ने क्रिकेटर अभिषेक शर्मा की प्रोफाइल को लगातार रिपोर्ट करना शुरू कर दिया। इसी के चलते शर्मा का ऑफिशियल अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया है।

पाकिस्तान के खिलाफ खेली थी तूफानी पारी: एशिया कप के सुपर-4 मुकाबले में भारत और पाकिस्तान का आमना-सामना हुआ था। इस हाई-वोल्टेज मैच में अभिषेक शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तानी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। उनकी तूफानी पारी की बदौलत भारत ने पाकिस्तान को आसानी से हरा दिया, जिससे पाकिस्तानी फैंस काफी नाराज़ थे। इस मैच में मैदान पर भी काफी तनाव देखने को मिला था। टॉस के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ नहीं मिलाया था और मैच के दौरान भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस हुई थी। अभिषेक शर्मा ने मैच के बाद कहा था कि उन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाजों को अपने बल्ले से जवाब दिया है। उनकी यह बात और उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी पाकिस्तानियों को इतनी नागवार गुजरी कि उन्होंने उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर हमला बोल दिया।

मोहित गुर्जर ने जूडो में जीता स्वर्ण पदक

टोंक। महर्षि विद्यालय चोसला में अयोजित हुई 69वीं जिला स्तरीय विद्यालय जूडो प्रतियोगिता में मोहित गुर्जर ने 66 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इस मोके पर कोच मोहित मरमट, शारिरिक शिक्षक बीपी मीना, रूपनारायण चौधरी, मुकेश मीना, जसराम मीना, दीपेंद्र गुर्जर आदि ने खिलाड़ी को माला पहनाकर स्वागत किया।

अभिषेक शर्मा ने अर्धशतक लगाकर किया कमाल, रिजवान-कोहली-रोहित का रिकॉर्ड खतरे में

नई दिल्ली । भारत के युवा सनसनीखेज बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधवार, 24 सितंबर को एशिया कप 2025 में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। 25 वर्षीय बाएं हाथ के ओपनर इस टूर्नामेंट के टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में 200 रन का आंकड़ा छूने वाले केवल दूसरे भारतीय बने। उन्होंने यह उपलब्धि बांग्लादेश के खिलाफ सुपर-4 मुकाबले में शानदार छक्के से हासिल की।

कोहली के बाद किया ये कमाल: अभिषेक से पहले सिर्फ विराट कोहली ने किसी एक एशिया कप टी20 संस्करण में 200 रन बनाए थे। अब यह रिकॉर्ड कोहली और अभिषेक के नाम दर्ज है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह तीसरे खिलाड़ी हैं। उनकी इस पारी ने टीम इंडिया को शुरुआती झटकों से उबरने में भी मदद की।

कोहली के रिकॉर्ड पर नजरें: इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अब भी पाकिस्तान के विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के पास है। उन्होंने 2022 में 6 मैचों में कुल 281 रन बटोरे थे। वहीं, उसी साल विराट कोहली ने 5 पारियों में 276 रन जोड़कर दूसरा स्थान पाया था। अब अभिषेक भी इस एलीट लिस्ट में शामिल हो गए हैं। अभिषेक के 248 रन हो गए हैं। ऐसे में वह अगले मैच में रिजवान और कोहली को पीछे छोड़ सकते हैं।

रोहित को पीछे छोड़ने की ओर: भारत की ओर से एशिया कप टी20 इतिहास में सबसे ज्यादा रन विराट कोहली ने बनाए हैं, जिन्होंने 10 पारियों में 429 रन बटोरे। उनके बाद रोहित शर्मा हैं, जिनके नाम 9 मैचों में 271 रन दर्ज हैं। अगर अभिषेक मौजूदा मुकाबले में लगभग 23 रन और बना लेते हैं, तो वे रोहित को पछाड़कर दूसरे नंबर पर पहुंच जाएंगे।

एशिया कप टी20आई में एक संस्करण में सर्वाधिक रन

मोहम्मद रिजवान - 6 मैच, 281 रन, 2022
विराट कोहली - 5 मैच, 276 रन, 2022
अभिषेक शर्मा - 5 मैच, 248 रन, 2025
इब्राहिम जद्रान - 5 मैच, 196 रन, 2022
बाबर हयात - 3 मैच, 194 रन, 2016

एशिया कप टी20आई के एक संस्करण में भारत की ओर से सर्वाधिक रन

विराट कोहली - 5 मैच, 276 रन, 2022
अभिषेक शर्मा - 5 मैच, 248 रन, 2025
विराट कोहली - 5 मैच, 153 रन, 2016
सूर्यकुमार यादव - 5 मैच, 139 रन, 2022
रोहित शर्मा - 5 मैच, 138 रन, 2016
रोहित शर्मा - 4 मैच, 133 रन, 2022

बांग्लादेशी गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे अभिषेक शर्मा रहे प्लेयर ऑफ द मैच

लगातार दूसरे मैच में जीता खिताब

दुबई, । भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2025 के सुपर-4 के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश को 41 रन से हरा दिया। भारतीय टीम की जीत के हीरो बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा रहे। शर्मा ने 37 गेंद पर 75 रन की पारी खेली थी। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय क्रिकेट टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाए थे। भारतीय टीम को शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ने 6.2 ओवर में पहले विकेट के लिए 77 रन जोड़कर मजबूत शुरुआत दी थी। मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने अगर अच्छी बल्लेबाजी की होती तो स्कोर 200 के आसपास हो सकता था। अभिषेक शर्मा ने 37 गेंद पर 75 रन की पारी खेली। इस पारी में 5 छक्के और 6 चौके शामिल रहे। हार्दिक पांड्या ने 29 गेंद पर 38 और गिल ने 19 गेंद पर 29 रन बनाए। शिवम दुबे 2, कप्तान सूर्यकुमार यादव 5, तिलक वर्मा 5 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल 10 रन बनाकर नाबाद रहे।

169 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश 19.3 ओवर में 127 पर सिमट गई और 41 रन से मैच हार गई। बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा 69 रन की पारी सलामी बल्लेबाज सैफ हसन ने खेली। 51 गेंद की पारी में इस बल्लेबाज ने 5 छक्के और 3 चौके लगाए। दूसरे टॉप स्कोरर परवेज हुसैन इमोन रहे। उन्होंने 21 रन बनाए। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका।

भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए। कुलदीप यादव ने 4 ओवर में 18 रन देकर 3, वरुण चक्रवर्ती ने 4 ओवर में 29 रन देकर 2 विकेट लिए। अक्षर पटेल और तिलक वर्मा को 1-1 विकेट मिला।

बीसीसीआई ने अय्यर के कप्तानी छोड़ने के फैसले पर तोड़ी चुप्पी, सामने आया मुख्य कारण

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई ने एक बयान जारी कर पुष्टि की कि श्रेयस अय्यर ने पीठ की समस्या के कारण लाल गेंद वाले क्रिकेट से छह महीने का ब्रेक मांगा है।

बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, श्रेयस अय्यर ने बीसीसीआई को लाल गेंद वाले क्रिकेट से छह महीने का ब्रेक लेने के अपने फैसले की सूचना दे दी है। ब्रिटेन में पीठ की सर्जरी कराने और अच्छी तरह से ठीक होने के बाद हाल ही में लंबे प्रारूप में खेलते समय उन्हें बार-बार पीठ में ऐंठन और अकड़न का अनुभव हुआ है। वह इस समय का उपयोग सहनशक्ति, शरीर की लचीलापन बढ़ाने और अपनी फिटनेस पर काम करने के लिए करना चाहते हैं। उनके इस फैसले को देखते हुए, ईरानी कप के लिए उनके चयन पर विचार नहीं किया गया।

इस बीच ईरानी कप के लिए अय्यर पर विचार नहीं किया गया और रजत पाटीदार को शेष भारत टीम का कप्तान बनाया गया। टेस्ट टीम में वापसी के लिए भी उनके नाम पर विचार नहीं किया जाएगा और वे वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। श्रेयस ने पाटीदार और तिलक वर्मा की जगह वनडे सीरीज के लिए भारत ए टीम की कप्तानी संभाली। इससे पहले, पाटीदार पहले मैच के लिए कप्तान थे और वर्मा दूसरे और तीसरे मैच में कप्तानी करने वाले थे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, रवींद्र जडेजा बनें उपकप्तान

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की सीनियर राष्ट्रीय चयन समिति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा की।

इसके साथ ही करुण नायर, साई सुदर्शन और आकाशदीप को टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है, जबकि देवदत्त पडिक्कल की टीम इंडिया में फिर से वापसी हुई है।

विकेटकीपर ऋषभ पंत अभी फिट नहीं हो पाए हैं, इसकी वजह से उनके स्थान पर नारायण जगदीशन को टीम में जगह मिली हैं। अक्षर पटेल की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है।

टीम इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट 2 से 6 अक्टूबर के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा और आखिरी टेस्ट मैच 10 से 14 अक्टूबर के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, एन. जगदीशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप याद।

भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम

रोस्टन चेज (कप्तान), जोमेल वारिकन (उप-कप्तान), एलिक अथानाज, जॉन कैंपबेल, केवलॉन एंडरसन, टैगेनारिन चंद्रपॉल, जस्टिन ग्रीव्स, शाई होप, टेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एंडरसन फिलिप, खारी पियरे और जेडन सील्स।

अभी भारतीय सीनियर टीम एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर रही है। भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप के सुपर-4 के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश को 41 रनों से हराया। दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में भारत ने जीत के लिए 169 रन का लक्ष्य दिया था। बांग्लादेश 19.3 ओवर में 127 रन पर सिमट गई। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने फाइनल में जगह बना ली है।

भारत के खिलाफ खेलने क्यों नहीं आए कप्तान लिटन दास, जैकर अली ने बताई वजह

नई दिल्ली । बांग्लादेश को बड़ा झटका लगा जब उनके कप्तान लिटन दास दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण सुपर 4 मैच से बाहर हो गए। दास की अनुपस्थिति में जैकर अली टीम की कमान संभाल रहे हैं। कार्यवाहक कप्तान ने बताया कि लिटन अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे और मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

जैकर अली ने टॉस के बाद कहा, लिटन दास नेट सत्र में चोटिल होने के बाद नहीं खेल रहे हैं और उम्मीद है कि वह जल्द ही वापसी करेंगे।% उन्होंने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया ताकि पहली पारी में पिच की धीमी गति का फायदा उठाकर लक्ष्य का पीछा पूरा किया जा सके। भारत और बांग्लादेश ने दूसरे दौर में अपने शुरुआती मैच जीते थे और मौजूदा मुकाबले का विजेता फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर लेगा।

प्लेइंग इलेवन : भारत = अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रित बुमरा, वरुण चक्रवर्ती

बांग्लादेश = सैफ हसन, तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, तौहीद हृदोय, जेकर अली (कप्तान और विकेटकीपर), शमीम हुसैन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, तंजीम हसन साकिब, मोहम्मद सैफुद्दीन, मुस्तफिजुर रहमान

भारत से मिली हार के बाद बोले बांग्लादेशी कप्तान जैकर अली, हम इस खेल से बहुत कुछ सीख सकते हैं

नई दिल्ली । बांग्लादेश को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में भारत के खिलाफ 41 रनों से हार का सामना करना पड़ा। मैच के ठीक बाद लिटन दास की अनुपस्थिति में बांग्लादेश के कार्यवाहक कप्तान जैकर अली ने टीम की हार पर अफसोस जताया और कहा कि यह आश्चर्यजनक है लेकिन वह इसे तैयारी के रूप में लेते हैं।

जैकर ने मैच के बाद कहा, यह काफी आश्चर्यजनक है, लेकिन मैं तैयारी की सराहना करता हूं। सारा श्रेय लड़कों को जाता है। वे अच्छी तरह से तालमेल बिठा रहे हैं। दस ओवर के बाद उन्होंने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। उनका बहुत-बहुत धन्यवाद। हम इस खेल से बहुत कुछ सीख सकते हैं। कल हमारा एक और मैच है। हमें यह ध्यान रखना होगा कि हम यह मैच जीतकर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं। हम टीम प्रबंधन से बात करेंगे और देखेंगे कि वे क्या संयोजन देते हैं। हम कल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ भी मैच के लिए टीम संयोजन पर जैकर अली होंगे। जैकर ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए टीम संयोजन के बारे में भी बात की, क्योंकि भारत के खिलाफ मैच में उन्होंने अपनी प्लेइंग इलेवन में चार बदलाव किए थे।

गौर है कि भारत बनाम बांग्लादेश मुकाबले में अभिषेक शर्मा की 75 रनों की तूफानी पारी और उसके बाद कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने बांग्लादेश को 41 रनों से आसानी से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ने एशिया कप 2025 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

शाहीन अफरीदी जान दे देगा: संभावित भारत बनाम पाक एशिया कप फाइनल पर बोले पाकिस्तानी तेज गेंदबाज

नई दिल्ली । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने मंगलवार को अबू धाबी में श्रीलंका के खिलाफ सुपर फोर के करो या मरो वाले मुकाबले में अपनी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने इस करो या मरो वाले मुकाबले में तीन अहम विकेट चटकाए जिससे पाकिस्तान की एशिया कप 2025 की उम्मीदें जिंदा रहीं। मैच के बाद एक रिपोर्टर ने शाहीन से पूछा कि जब भी पाकिस्तान और भारत के बीच मुकाबला होता है, तो उन्हें कितनी कड़ी निगरानी का सामना करना पड़ता है। पत्रकार ने पूछा, मेरा सवाल यह है कि जब भी पाकिस्तान-भारत मैच होता है, तो हर कोई शाहीन अफरीदी पर नजर रखता है। लेकिन पिछले 4-5 मैचों में शाहीन अफरीदी ने ऐसा प्रदर्शन नहीं किया है। तो, अगर अगले मैच में पाकिस्तान-भारत फाइनल होता है, तो क्या हम शाहीन अफरीदी का खराब फॉर्म फिर से देख सकते हैं?। अफरीदी ने एक शरारती मुस्कान के साथ जवाब दिया, क्या आप मुझे ड्रॉप करने की कोशिश कर रहे हैं? (हंसते हुए)। अगर शाहीन अफरीदी पाकिस्तान से खेलेगा, तो अपनी जान भी दे देगा।

एशिया कप में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के आक्रामक व्यवहार की कई घटनाएं भी देखने को मिलीं - प्रशंसकों और विरोधियों, दोनों के प्रति और अफरीदी से पूछा गया कि क्या यह आक्रामकता हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान जैसे खिलाड़ियों की पूर्व नियोजित रणनीति का हिस्सा थी। रऊफ जहां भारतीय प्रशंसकों का मजाक उड़ाते नजर आए, वहीं रविवार को सुपर फोर मुकाबले के दौरान फरहान के गोलीबारी वाले जश्न की भी आलोचना हुई।

अफरीदी ने कहा, आक्रामक होने की कोई खास योजना नहीं है, हम खेलना शुरू करने के बाद से ही आक्रामक रहे हैं। क्रिकेट इसी तरह खेला जाता है और टीम का मनोबल ऊंचा रखा जाता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम ने संभावित भारत-पाकिस्तान फाइनल पर चर्चा की है, तो अफरीदी ने इस चर्चा को कमतर आंकते हुए कहा। उन्होंने कहा, हम अभी फाइनल में नहीं हैं, जब पहुंचेंगे, तब इस बारे में सोचेंगे।

मैट पर सच्चे हीरो: पैरा एथलीट्स ने प्रेरणादायक कबड्डी प्रदर्शनी मैच में चमक बिखेरी

जयपुर। जयपुर के एसएमएस इंडोर स्टेडियम ने बुधवार को दृढ़ संकल्प के एक अनोखे उत्सव का गवाह बना, जब पद्मश्री डॉ. दीपा मलिक के नेतृत्व वाली व्हीलिंग हैप्पीनेस फ़ाउंडेशन ने कैप्री स्पोर्ट्स फ़ाउंडेशन के सहयोग से एक पैरा-एथलीट कबड्डी प्रदर्शनी मैच का आयोजन किया।

दिन के महत्व को और बढ़ाते हुए, प्रो कबड्डी लीग की बंगाल वॉरियरज़ टीम के खिलाड़ी भी पैरा-एथलीट्स का उत्साह बढ़ाने पहुंचे, जिससे यह मुकाबला खेल भावना और एकजुटता का भावुक प्रदर्शन बन गया।

बंगाल वॉरियरज़ के कप्तान देवांक दलाल ने अपनी प्रेरणा व्यक्त की, यह देखने के लिए एक बहुत ही शानदार मैच था, और मैं इन्हें असली हीरो मानता हूँ। उन्होंने जीवन में बहुत संघर्ष झेले हैं। हमें अगर छोटी सी चोट भी लगती है, तो हम आराम कर लेते हैं, लेकिन ये अपने संघर्षों के बावजूद इतनी मेहनत कर रहे हैं और इतना अच्छा खेल रहे हैं। यह हमारे जैसे कबड्डी खिलाड़ियों के लिए बेहद प्रेरणादायक है।

पैरा-एथलीट्स के लिए यह अवसर ऐतिहासिक था। विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री (नॉटविल, स्विट्ज़रलैंड) में पैरा एथलेटिक्स 100 मीटर के रजत पदक विजेता विकास

कुमार ने पैरा-कबड्डी की प्रगति पर विचार साझा करते हुए कहा, मैं पहले सामान्य पैरा-एथलेटिक्स में भाग लेता था, जब तक राजेश सर (कोच) और दीपा मैडम ने हमारे देश में पैरा-कबड्डी को आगे बढ़ाने के लिए मेहनत नहीं की थी।

मेरे बहुत से साथी पैरा-एथलीट्स अब पैरा-कबड्डी में भी आ गए हैं। और अब, इतने बड़े मंच पर खेलना एक बेहद गर्व का क्षण है, खासकर क्योंकि अब पैरा-एथलीट्स को भी सक्षम खिलाड़ियों के समान सम्मान मिल रहा है, उन्होंने आगे कहा।

कोच राजेश कुमार, भीम अवार्डी और एशियन पैरा गेम्स पदक विजेता (2010), ने इस तरह के मंच की अहमियत पर जोर देते हुए कहा, हम पीकेएल को इस अवसर के लिए धन्यवाद देते हैं जो हमारे खिलाड़ियों को मिला है। यह हमारे पैरा-कबड्डी खिलाड़ियों को नई पहचान देगा। यह उन एथलीट्स के लिए भी प्रेरणा बनेगा जो घर पर बैठकर हमें खेलते देख रहे हैं।

हमारे पैरा-कबड्डी खिलाड़ियों का भविष्य बहुत उज्ज्वल है, और अब पीकेएल की वजह से और भी बेहतर होगा। हमें उम्मीद है कि आज की दोनों टीमों के खिलाड़ी भविष्य में अपना हुनर दिखाएंगे, उन्होंने जोड़ा।

दुर्ग जिला भाजपा में पदाधिकारियों की नियुक्ति

दुर्ग, एजेंसी। दुर्ग जिले के संगठन को सशक्त बनाने तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए जिला भाजपा पदाधिकारियों की घोषणा औपचारिक रूप से की जाती है। यह नियुक्तियाँ पार्टी की कार्यप्रणाली को और अधिक सशक्त व संगठित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगी।

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं आंतरिक समिति नहीं बनाई तो 50 हजार का जुर्माना

जगदलपुर, एजेंसी। कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए आदेश दिया है कि अब जिले की सभी दुकानों, शो-रूम, अस्पतालों, स्कूलों, बैंकों, एनजीओ और ट्रस्टों में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य रूप से किया जाना है। यदि 10 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले किसी भी संस्थान ने यह समिति गठित नहीं की तो उस पर राशि 50 हजार का जुर्माना लगाया जाएगा। श्रम पदाधिकारी भुपेन्द्र नायक ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर हरिस एस. के मार्गदर्शन में जिले के संस्थानों में कार्यरत कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए श्रम विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा जिले के सभी निजी संस्थानों का सर्वे किये जाने हेतु दल का गठन किया गया है। साथ ही यह आदेश महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चत करने की दिशा में बड़ा कदम है श्रम पदाधिकारी ने सभी संस्थानों को निर्देशित किया है कि वे शीघ्र ही आंतरिक समिति गठित करें, जिन संस्थानों में समिति नहीं मिलेगी, उन पर कार्यवाही की जावेगी।

हिमालयी अभियान से लौट रही जशपुर की टीम जगतसुख से की वापसी यात्रा की शुरुआत

जशपुरनगर, एजेंसी। हिमालय की ऊँचाइयों पर ऐतिहासिक सफलता दर्ज करने के बाद जशपुर की युवा पर्वतारोहण टीम अब घर लौटने की राह पर है। दल ने मनाली के समीप जगतसुख से वापसी यात्रा आरंभ की है। वहाँ से टीम दिल्ली और रांची होते हुए अंततः जशपुर पहुँचेगी। इस अभियान का नेतृत्व स्वप्निल राचलवार (पहाड़ी बकरा) ने किया, जबकि राहुल ओगरा और हर्ष ठाकुर सह-समन्वयक रहे। अभियान दल में रवि सिंह, तेजल भगत, रूसनाथ भगत, सचिन कुजुर और प्रतीक नायक शामिल रहे।

यात्रा के दौरान टीम ने दुहंगन घाटी में आठ नए पर्वतारोहण मार्ग स्थापित किए। इसके साथ ही, जशपुर की आदिवासी टीम ने जगतसुख शिखर पर नया मार्ग खोलते हुए, मात्र 12 घंटे से भी कम समय में आरोहण पूरा कर वापस बेस कैम्प पहुँचा। यह उपलब्धि विशेषज्ञों द्वारा सराहनीय मानी जा रही है। अभियान को अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहियों और मार्गदर्शकों का सहयोग भी प्राप्त हुआ। इनमें डेव गेट्स, तोटी वेल्स, एर्नेस्ट वेंतुरिनी, मार्टा पेद्रो और बोए मैरियन जैसे प्रसिद्ध पर्वतारोही शामिल थे।

इस अभियान को संभव बनाने में कई संस्थाओं का योगदान रहा। मुख्य सहयोगी रहे हिरा समूह, पेट्ज़ल, एलाइड सेफ़्टी इक्विपमेंट, रेड पांडा आउटडोर्स, रेक्की आउटडोर्स, एड्वेनॉम एडवेंचर वर्क्स तथा जय जंगल फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड। दल के सभी सदस्य स्वस्थ और उत्साहित हैं। उनका कहना है कि यह यात्रा जीवन का अविस्मरणीय अनुभव रही, जिसने उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त किया तथा प्रकृति और पर्यावरण के प्रति गहरी समझ दी। टीम ने यह भी स्पष्ट किया कि इस अनुभव का उपयोग जशपुर और आसपास के क्षेत्रों में सतत एवं पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने में किया जाएगा।

आदि कर्म योगी अभियान : फतेपुर में आदि सेवा केंद्र का किया गया शुभारंभ

जशपुरनगर, एजेंसी। आदि कर्मयोगी अभियान÷ के अंतर्गत जशपुर जिले के फतेपुर में आज एक नये आदि सेवा केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति रही। यह केंद्र आदिवासी समाज के सर्वांगीण विकास, सामाजिक उत्थान तथा विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमुख माध्यम बनेगा। जशपुर जिले में अब तक 417 गाँव में आदि सेवा केंद्र का उद्घाटन कर दिया गया है कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जनपद सदस्य दिनेश्वर प्रधान ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस दौरान उमावती भगत सरपंच बुमतेल ने इस केंद्र को जनहित और जनसहभागिता की नई पहल बताते हुए कहा कि यह केंद्र आदिवासी समाज को आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

आदि सेवा केंद्र का महत्व :फतेपुर में स्थापित यह सेवा केंद्र ग्रामीण एवं आदिवासी परिवारों के लिए सरकारी योजनाओं तक आसान पहुँच सुनिश्चित करेगा। यहाँ स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित जानकारी व सहयोग प्रदान किया जाएगा। साथ ही, केंद्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर, छात्रवृत्ति परामर्श, आजीविका संवर्धन गतिविधियाँ और सांस्कृतिक संरक्षण से जुड़े आयोजन भी नियमित रूप से होंगे। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि ÷आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य केवल योजनाओं की जानकारी देना ही नहीं है, बल्कि ग्रामीण समाज को जागरूक कर उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना है। उन्होंने आगे कहा कि सेवा केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली कड़ी साबित होगा और यहाँ से दी जाने वाली सेवाएँ हर जरूरतमंद परिवार तक पहुँचेगी।

दंतेवाड़ा में 30 इनामी समेत 71 नक्सलियों ने डाले हथियार

दंतेवाड़ा, एजेंसी। दंतेवाड़ा जिले में लोन वर्राटू अभियान के तहत बुधवार को 71 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें से 30 नक्सली ईनामी हैं, जिन पर कुल 64 लाख रुपये का इनाम घोषित था। सभी नक्सलियों ने दंतेवाड़ा एसपी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इस मौके पर एसपी ऑफिस में पुलिस अधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी और इसे नक्सल उन्मूलन की बड़ी उपलब्धि बताया। लोन वर्राटू अभियान के तहत लगातार नक्सली मुख्यधारा में लौट रहे हैं और शासन-प्रशासन की पुनर्वास योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं।

गरियाबंद जिले में नवनिर्मित तीन महतारी सदन महिलाओं को समर्पित

महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सामुदायिक समरसता की दिशा में अहम पहल

गरियाबंद, एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज धमतरी जिले के ग्राम करेलीबड़ी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से प्रदेश की मातृशक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया। उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों में पूर्ण हुए 51 महतारी सदनों का लोकार्पण कर उन्हें महिलाओं को समर्पित किया। इसी कड़ी में महतारी सदन निर्माण योजना के अंतर्गत गरियाबंद जिले को भी बड़ी सौगात मिली है। जिले में ग्राम पंचायत पाटसिवनी, खड़मा और हरदी में कुल तीन महतारी सदनों का निर्माण पूर्ण किया गया है। मुख्यमंत्री साय द्वारा लोकार्पित महतारी सदनों में जिले के उक्त 3 महतारी सदन भी शामिल है। इन

भवनों से ग्रामीण महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक सशक्त मंच प्राप्त होगा। इस अवसर पर विकासखंड छुरा के ग्राम पाटसिवनी में नवनिर्मित महतारी सदन से ग्रामीण और महिलाएं मुख्यमंत्री कार्यक्रम से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। यहां आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कलेक्टर बी.एस. उईके, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर, जिला पंचायत सभापति नंदिनी साहू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शिवांगी चतुर्वेदी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती मीरा ठाकुर, सरपंच चम्पेश्वर ध्रुव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजनों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमामयी बनाया। सभी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कार्यक्रम का ऑनलाइन माध्यम से अवलोकन किया।

महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का केन्द्र बनेगा महतारी सदन :इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महतारी सदन केवल भवन नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का केन्द्र है। छत्तीसगढ़ शासन ने महिलाओं को स्वरोजगार, प्रशिक्षण, सांस्कृतिक आयोजन और सामूहिक निर्णय प्रक्रिया से जोड़ने के लिए यह योजना प्रारंभ की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार ने महिलाओं की क्षमता को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महतारी सदन योजना को प्राथमिकता दी है। इस अवसर पर पाटसिवनी से विधायक रोहित साहू ने कहा कि शासन के तत्परता से सभी वर्गों का विकास किया जा रहा है। पीएम आवास योजना से सभी गरीब लोगों को आवास की सुविधा दी जा रहा है। साथ ही महतारियों के सम्मान में प्रतिमाह 1 हजार रुपए महिलाओं के खातों में दिए जा रहे है। सरकार बनने के बाद 19 किश्त का वितरण किया जा चुका है।

भांचा राम के दर्शन करने निकली श्रद्धालुओं की सवारी 204 श्रद्धालु करेंगे अयोध्या और काशी के दर्शन

जशपुरनगर, एजेंसी। शासन द्वारा छत्तीसगढ़ के अपने प्रिय भांचा राम के दर्शन के लिए शुरू की गई श्री रामलला दर्शन योजना न केवल धार्मिक आस्था बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता का भी प्रतीक बन चुकी है। इस योजना के द्वारा राज्य के श्रद्धालुओं को अयोध्या में स्थित भगवान श्री रामलला एवं काशी के बाबा विश्वनाथ धाम के दर्शन का अवसर मिलता है।

जशपुर जिले में योजना प्रारंभ से अब तक 1836 श्रद्धालुओं ने योजना का लाभ लिया है। इस योजनांतर्गत बुधवार को जिले के 204 श्रद्धालुओं को योजनांतर्गत श्री रामलला के दर्शन के लिए 05 बसों के द्वारा रवाना किया गया। जहां कांसाबेल में कांसाबेल क्षेत्र की जनपद पंचायत सदस्य शिप्रा दास, सरपंच अनिल खलखो, जनप्रतिनिधि सुनील गुप्ता, पुरुषोत्तम व्यास, नारायण दास, सुभाष गुप्ता एवं ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिसमें जनपद पंचायत क्षेत्र जशपुर से 17, जनपद पंचायत क्षेत्र मनोरा से 10, जनपद पंचायत क्षेत्र बगीचा से 19, नगर पालिका क्षेत्र जशपुर से 10, नगर पंचायत क्षेत्र बगीचा से 8, जनपद पंचायत क्षेत्र कुनकुरी से 18, जनपद पंचायत क्षेत्र दुलदुला से 12, जनपद पंचायत क्षेत्र फरसाबहार से 27, नगर पंचायत क्षेत्र कुनकुरी से 16, जनपद पंचायत क्षेत्र पत्थलगांव से 26, जनपद पंचायत क्षेत्र कांसाबेल से 21, नगर पालिका क्षेत्र पत्थलगांव से 12 और नगर पंचायत क्षेत्र कोतबा से 8 रामभक्त अयोध्या में भगवान श्री राम का दर्शन हेतु रवाना हुए।

उल्लेखनीय है कि रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलता है, जिसमें जशपुर से अंबिकापुर बस द्वारा ले जाकर अम्बिकापुर से विशेष ट्रेन द्वारा अयोध्या जाने की व्यवस्था होती है। इसके साथ ही वहां रहने की व्यवस्था, मंदिर दर्शन, नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहती है। इस यात्रा में उन्हें सरयू एवं गंगा आरती के साथ बाबा विश्वनाथ धाम के दर्शन का भी आनंद प्राप्त होता है। छत्तीसगढ़ भगवान श्री राम का ननिहाल है, यहां के लोग उन्हें भांचा राम के नाम से भी जानते हैं। भगवान श्री राम के प्रति आस्था प्रदेश के कण कण पर व्याप्त है। अयोध्या में भगवान श्री राम के दर्शन के बाद लोग अपने आप को धन्य महसूस करते हैं। दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं के चेहरे पर वृहद उत्साह दिखाई दे रहा था। सभी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और शासन के प्रति आभार जताया।

प्रमुख सचिव ने किया मशरूम इकाई का निरीक्षण ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को सराहा

धमतरी, एजेंसी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह ने मंगलवार को मगरलोड विकासखंड के एमयूसी परिसर का भ्रमण किया। इस अवसर पर उनके साथ पंचायत विभाग की संचालक प्रियंका महोबिया एवं मिशन संचालक एनआरएलएम श्री अश्वनी देवांगन भी उपस्थित थे।

इस दौरान उन्होंने स्व सहायता समूहों द्वारा संचालित मशरूम स्पॉन इकाई एवं उत्पादन कार्य का अवलोकन किया। विंध्यवासिनी महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि वे मशरूम उत्पादन कर अच्छा लाभ कमा रही हैं और उत्पादित मशरूम पास के राजिम, नवापारा एवं कुरूद बाजारों में आसानी से बिक जाता है। महिलाओं ने यह भी बताया कि बिहान योजना के तहत उन्हें ऋण और प्रशिक्षण की सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं, जिससे उनके कार्यों में निरंतर प्रगति हो रही है।

प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह ने समूह के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ÷ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रही हैं। मशरूम उत्पादन जैसी आजीविका गतिविधियाँ न केवल महिलाओं को आर्थिक मजबूती प्रदान कर रही हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी तैयार कर रही हैं। शासन का उद्देश्य यही है कि प्रत्येक महिला को सशक्त बनाकर उनके परिवार एवं समाज के जीवन स्तर में सुधार लाया जाए।

उन्होंने जिले में बड़े पैमाने पर मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी बल दिया और अधिकारियों को इस दिशा में ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए।

अवैध अंग्रेजी शराब की खेपें पकड़ी, 96 पौआ गोवा शराब व वाहन जप्त

मीडिया ऑडीटर, झगडाखाड़ (निप्र)। मध्य प्रदेश से अवैध शराब की बिक्री करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने हेतु पुलिस अधीक्षक एमसीबी चंद्रमोहन सिंह के निर्देश पर 24 सितम्बर को रोड पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि मध्य प्रदेश से अवैध रूप से अंग्रेजी शराब परिवहन की जा रही है। सूचना के आधार पर मध्य प्रदेश–छत्तीसगढ़ सीमा, घुटरीटोला के पास घेराबंदी की गई। घेराबंदी के दौरान स्कूटी में सवार दो व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखते ही स्कूटी सवार पप्पू साहू उर्फ़ डाकू मौके से फरार हो गया, जबकि स्कूटी चालक विधि से संघर्षरत बालक पुलिस के कब्जे में आया। स्कूटी की तलाशी लेने पर उसमें से 96 नग अंग्रेजी शराब (कीमत

लगभग 11,000/–) बरामद की गई। साथ ही, अवैध शराब के परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी वाहन को भी जप्त किया गया। पूछताछ पर बालक ने बताया कि पप्पू साहू अपने होटल हेतु मध्य प्रदेश से अंग्रेजी शराब लाकर बेचता है और उसे भी इसी कार्य हेतु अपने साथ लाया था। प्रकरण पंजीबद्ध कर आगे की विवेचना की जा रही है। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी झगराखंड दीपेश सैनी, सउनि अशोक साहू, प्रधान आरक्षक नीरज पढ़ीयार, आरक्षक बसंत, आरजू राम मोर्चे, एवं सैनिक भूपेंद्र सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

जिले में एसईएस ग्रुप द्वारा पंजीयन शिविर का होगा आयोजन, युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण के बाद स्थायी रोजगार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद नई दिल्ली के तत्वाधान में एसईएस (इंडिया) लिमिटेड द्वारा सुरक्षा सेवाओं में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु जिले के विभिन्न थाना व चौकी परिसरों में पंजीयन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह पहल उन युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है जो सुरक्षा क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर स्थायी रोजगार प्राप्त करना चाहते हैं।

यह शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होंगे जिसमें युवाओं का पंजीयन कर प्रशिक्षणोपरांत एसईएस ग्रुप में नियोजन किया जाएगा। शिविर की शुरुआत 1 अक्टूबर 2025 को चौकी परिसर खोंगापानी से होगी, इसके बाद 3 अक्टूबर 2025 को थाना परिसर झगराखांड में, 4 अक्टूबर 2025 को थाना परिसर जनकपुर में, 10 अक्टूबर 2025 को थाना परिसर खड़गवां में, 11 अक्टूबर 2025 को थाना परिसर पोड़ी में, 13 अक्टूबर 2025 को थाना परिसर चिरमिरी, 14 अक्टूबर 2025 को चौकी परिसर कुंवारपुर में, 16 अक्टूबर 2025 को सिटी कोतवाली परिसर मनेन्द्रगढ़ में शिविर का आयोजित किया जाएगा।

सेवा पखवाड़ा दिवस पर मनेन्द्रगढ़ में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ दिव्यांग एवं स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा पखवाड़ा दिवस के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 220 बिस्तरीय सिविल अस्पताल, मनेंद्रगढ़ में दिव्यांग एवं स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस शिविर ने जिले के सैकड़ों नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं एवं दिव्यांग हितग्राहियों को प्रमाणपत्र और कार्ड प्रदान कर महत्वपूर्ण सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन किया। शिविर में दिव्यांग हितग्राहियों के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए गए और यूनिक डिसएबिलिटी आईडी कार्ड पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की गई। कुल 63 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 11 लाभार्थियों को मौके पर ही यूनिक डिसएबिलिटी आईडी कार्ड वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त शिविर में 452 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ तथा 161 मरीजों को निःशुल्क औषधियां प्रदान की गईं।

इस शिविर में मेडिकल बोर्ड के अंतर्गत विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं दी। इनमें डॉ. विकास पोद्दार (मेडिसिन), डॉ. प्रकाश जायसवाल (हड्डी रोग), डॉ. रश्मि कुमार (स्त्री रोग), डॉ. एस.एस. सिंह (शिशु रोग), डॉ. कौशिक सूत्रधार (ईएनटी) और डॉ. मनोज सिंह (नेत्र रोग) शामिल थे। साथ ही डॉ. राजकुमार, डॉ. दिव्या मीना, डॉ. मधु चौहान, डॉ. नितेश रोकराम और डॉ. निशा चौधरी ने भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर के दौरान अस्पताल अधीक्षक डॉ. स्वपनिल तिवारी ने संपूर्ण व्यवस्था का निरीक्षण किया। शिविर में लैब से जुड़े कार्यों का संचालन आर.डी. दीवान, निकेश गुप्ता एवं धर्मपाल सिंह ने किया, जबकि औषधि वितरण की जिम्मेदारी फार्मासिस्ट गायत्री मरकाम एवं कु. संतोष ने निभाई। मरीजों की देखभाल में स्टाफ नर्स अल्पना पटेल, आर.एच.ओ. सम्पावेक एवं पुष्पागिंज, एम.पी.डब्ल्यू. आफताब, उमाशंकर और दिनेश गुप्ता सक्रिय रहे। शिविर संचालन एवं व्यवस्थापन में प्रमेन्द्र कुमार (सुपरवाइजर), ऋषभ कुमार तिवारी (डाटा एंट्री ऑपरेटर), मितानिन रुकमणी और सफाई सुपरवाइजर शारदा तिवारी का योगदान सराहनीय रहा। ष्ठद्बष्ठ प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया में प्रमुख अस्पताल प्रबंधक सोमेंद्र मंडल, कंप्यूटर ऑपरेटर आनंद और डाटा एंट्री ऑपरेटर कुनाल लालपुरे का भी विशेष सहयोग रहा।

शिविर के दौरान उप संचालक एवं डिप्टी कलेक्टर इंदिरा मिश्रा ने स्थल का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने शिविर में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने शिविर की सफलता पर सभी प्रतिभागी अधिकारियों, चिकित्सकों और कर्मचारियों की सराहना की और नागरिकों से अपील की कि वे स्वास्थ्य सेवाओं का नियमित रूप से लाभ उठाते हुए स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण में सहयोग दें।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा